A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 20 मई, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 220, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

ऑपरेशन सिंदूर: सियासी जमीन में दरार और वतन की आबरू...?

उमेश त्रिवेदी
प्रधान संपादक

ऑपरेशन-सिंदूर के सैन्य-अभियान की तूफानी गर्जनाओं की गूँज में 1962 के दो कौमी तरानों की अनुगूंज का उभर आना आकस्मिकता नहीं है। यह अनुगूंज ऐसे कई राष्ट्रीय गीतों और तरानों की आवश्यकताओं का प्रतिपादन करती है, जो राष्ट्रीय विपदा के क्षणों में उन राष्ट्रीय अभियानों का अभिमानी आव्हान करें, आत्मोत्सर्ग को उत्प्रेरित कर सकें। मतभेदों की सियासी-शून्यता को भर सकें। आत्मोत्सर्ग को बयां करने वाले ऐसे तरानों की जरूरत का अंदाज सोशल मीडिया पर इनकी लोकप्रियता में नजर आता है।

1962 में जां निसार अख्तर और साहिर लुधियानवी के इन तरानों को यू-ट्यूब पर करोड़ों बार देखा और सुना गया है। मोहम्मद रफी के इन गीतों का मुकाम बहुत ही ऊंचा है। इन्हीं गीतों की जुगलबंदी करने वाले हालिया फिल्म 'केसरी' का एक गीत 'तेरी मिट्टी में मिल जांवा' को अभी तक 40 करोड़ लोग सोशल मीडिया पर देख और सुन चुके हैं। यह फिल्म महज 6 साल पुरानी है। साठ साल पुराने और छह साल पुराने कौमी तरानों की एक जैसी लोकप्रियता और डिमांड इस बात की पुष्टि हैं कि राष्ट्रीय आपदा के क्षणो में नई और पुरानी पीढ़ी की भाव-भूमि पर उत्सर्ग की एक जैसी भावनाओं का संचार होता हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' की चिंगारियों के बीच साहिर लुधियानवी का तिरसठ साल पुराना तराना आगाह कर रहा था कि 'वतन की आबरू खतरे में है, तैयार हो जाओ...तैयार हो जाओ' और छह साल पुराना मनोज मुंतशिर का गीत 'वतन की मिट्टी में मिल जावां ' की भावनाओं को उत्प्रेरित कर रहा था। राष्ट्रीय विपदा और विप्लव की घड़ी में जब कौमी तरानों की ओर मुड़ते हैं, तो हम एक ऐसे राष्ट्रवाद की अवधारणाओं के रूबरू होते हैं, जो 'ऑर्गेनिक' राष्ट्रवाद की आकाश-गंगा में उत्सर्ग के सितारे टांकते हैं। देश की सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय पहचान के यह प्रारूप युद्धजनित राष्ट्रवाद की उसी भावभूमि पर खिलता है, जहां देश के लिए बलिदान और आत्मोत्सर्ग सर्वोपरि होती है। लेकिन सत्ताजनित राष्ट्रवाद की करतूतें इन कौमी तरानों की अनुगूंज में ऑर्गेनिक राष्ट्रवाद के मचलते-उछलते मतवाले अंगारों में ठंडा करने के लिए आतुर और सक्रिय हैं।

इन तरानों में सरहदों पर बहने वाले खून की रवानी आज भी हिमालय की चट्टानों का सीना चीरती दिखती है। दुश्मनों के मंसूबों को नेस्तनाबूद करने का जज्बा तोपों के आगे दीवार बन कर खड़ा नजर आता है। ये तराने लहू के रंग से यह इकरारनामा लिख रहे हैं कि देश के हिंदू, मुसलमान, ईसाई और सिखों में कोई फर्क नही है। वो सब सिर्फ हिन्दुस्तानी है, जो अपनी जमीन पर मर मिटने के लिए निकल पड़े हैं। जां निसार अख्तर के गीत में संगम का सांस्कृतिक बखान है, हिमालय का आव्हान है, अजंता-एलोरा और ताज महल की आवाज है, गुलमर्ग की रंगत है, गोकुल का दबदबा है, जमुना के तटों पर ग्वालों का बखान है। यह तराना सांस्कृतिक समभाव के साथ देश पर मर मिटने का आव्हान करता है।

जाहिर है कि युद्ध की विभीषिकाओं और विपदाओं के वक्त राष्ट्र की जरूरतें भिन्न होती हैं। अवाम में सर्वस्व न्यौछावर करने का भाव होता है। इसी वजह से राष्ट्रवाद की यह सोच शासन-प्रशासन के लोकतांत्रिक, तानाशाही या वंशानुगत, किसी भी फार्मेट में, सिंहासन की खातिर सत्ताजनित राष्ट्रवाद के अनगिन दोषों और दुर्भावनाओं से परे होता है। 'ऑर्गेनिक' राष्ट्रवाद लोकतंत्र में निष्पाप शासन का आव्हान है। 'ऑर्गेनिक' राष्ट्रवाद की प्रतिबद्धता निस्वार्थ और निर्विवाद होती है। 'ऑर्गेनिक' राष्ट्रवाद की राजनैतिक-परिक्रमा के केन्द्र में देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक एकता और अखंडता की धुरी होती है। राष्ट्रीय परम्पराओं और धरोहरों का प्रभुत्व होता है।

लेकिन, सत्ताजनित राष्ट्रवाद की स्वार्थपरक सियासी छाया ऑर्गेनिक-राष्ट्रवाद के तकाजों को हमेशा अंधेरे में ढकेलती रहती है। अंधी और काली ताकतें वतन की आबरू के साथ खिलवाड़ करने में भी संकोच नहीं करती हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जीत के उल्लसित पलो मे इन काली प्रवृत्तियों से सचेत रहने की महती जरूरत हैं। सोशल मीडिया पर कर्नल सोफिया कुरैशी, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनके परिवार, पहलगाम में आतंकी हमले के शिकार लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल पर सोशल मीडिया के ट्रोलरों के घिनौने हमलों की कहानियां हैरतअंगेज हैं। भारतीय सेनाएँ सरहदों पर घोषित दुश्मन से तो लड़ सकती है, लेकिन देश मे सक्रिय अघोषित दुश्मनों से कैसे पार पाएंगी ?

इससे आगे विचलित करने वाला तथ्य वह राजनीति है, जो ऑपरेशन-सिंदूर का धुंआ ठंडा होने से पहले ही सुलग उठी है। इसमें पक्ष-विपक्ष, दोनों के प्रभावशाली नेता, उनके सोशल मीडिया के रण बांकुरे इस आग में अंगारे घोलने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के समय एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े पक्ष-विपक्ष के नेता आपस में अचानक ही तलवार भांजने लगे हैं। संकट के क्षणों में पक्ष-विपक्ष के बीच समझ और सौहार्द्र की सांसें एक पखवाड़े में ही टूट गईं।

सबसे ज्यादा शर्मिंदगी उस सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधि मंड़ल के गठन में सामने आ रही है, जो ऑपरेशन आंतकवाद की घिनौनी हरकतों के लिए पाकिस्तान के खिलाफ सबूत पेश करने वाला है। सर्वदलीय संसदीय दल 21 मई को इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिणी कोरिया, सिंगापुर और जापान का दौरा करने वाला है। केन्द्र सरकार ने भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने और जागरूकता बढ़ाने की गरज से सांसदों की सात टीमों को अलग-अलग भेजने का सुखद पहल की थी। लेकिन कांग्रेस की मर्जी के खिलाफ केन्द्र सरकार व्दारा तिरूवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर को शामिल करने के निर्णय ने सर्वानुमति और सदभाव को कसैला बना दिया है। एक राजनयिक के रूप में शशि थरूर की योग्यता निर्विवाद है,लेकिन कांग्रेस की राजनीति में वो हाशिये पर हैं। भाजपा से नजदीकियों के चलते कांग्रेस उन्हे उपकृत करने को तैयार नहीं है। भाजपा एक तीर से दो निशाने साधने की फिराक में है। मीडिया में यह विवाद उछलने लगा है। सवाल यह है विदेशी-सरकारों के समक्ष जिस सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधि मंडल की सर्वसम्मति ही सवालिया होगी, उसकी प्रभावशीलता का इंडेक्स क्या होगा? पक्ष-विपक्ष दोनों को यह सोचना चाहिए कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कूटनीतिक मामलों में घरेलू राजनीति के हित-संवर्धन के लिए अवसरों को तलाशना कितना जायज अथवा नाजायज है?

घरेलू सियासत के इसी बैक-ड्राप में साहिर लुधियानवी का नगमा आगाह करता है कि 'हमारी कौम पर तारीख तोहमत धर नहीं पाए...वतन-शमदुन दरिंदों के लिए ललकार हो जाओ...। यह भी लगता है कि हमारा गगन भले ही एक हो, लेकिन सियासत की जमीन में दरारें हैं...। (समाप्त)

अबकी जमकर बरसेंगे बदरा, होगा पानी-पानी!

बाढ़ और आंधी की चेतावनी,मौसम की मार जारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। मौसम ने एक बार फिर करवट ली है और देश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का कहना है कि बरसात अभी जारी रहने वाली है। इसके मुताबिक, मई के अंत में मौसम में फिर से बदलाव की संभावना है, क्योंकि विभिन्न वायुमंडलीय प्रणालियां सक्रिय हो रही हैं। 21 मई के आसपास अरब सागर में कर्नाटक तट के पास ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 22 मई को निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित हो सकता है, जो उत्तर की ओर बढ़ते हुए और तीव्र हो सकता है। इससे कर्नाटक, गोवा, और महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश होगी। आंधी के साथ बाढ़ और जलभराव का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ भी तैयार हो रहा है। इसके चलते पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। राजस्थान, पंजाब से लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर भारत में बारिश व गरज-चमक के साथ तूफान की आशंका है। महाराष्ट्र और बंगाल की खाड़ी में मौजूद चक्रवाती सर्कुलेशन से मध्य और दक्षिण भारत में बारिश हो सकती है। उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे असम और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इसके चलते रबी फसलों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन अत्यधिक बारिश से बाढ़ और फसलों को नुकसान होने का जोखिम भी है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में रात भर हुई भारी बारिश की वजह से विभिन्न इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

सड़कों पर जगह जगह पानी भर गया है और कई आवासीय इलाके जलमग्न हो गए हैं। शहर में अभी और बारिश के आसार हैं। आईएमडी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बेंगलुरु में 103 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

सुप्रभात

कर लूंगा जमा दौलत
ओ ज़र उस के बाद क्या
ले लूँगा शानदार सा घर
उस के बाद क्या
मय की तलब जो होगी
तो बन जाऊँगा मैं रिन्द
कर लूंगा मयकदों का
सफ़र उस के बाद क्या
होगा जो शौक़ हुस्न से
राज़ ओ नियाज़ का
कर लूंगा गेसुओं में
सहर उस के बाद क्या
शेर ओ सुख़न की
खूब सजाऊँगा महफ़िलें
दुनिया में होगा नाम
मगर उस के बाद क्या
मौज आएगी तो सारे
जहाँ की करूँगा सैर
वापस वही पुराना नगर
उस के बाद क्या
इक रोज़ मौत ज़ीस्त का दर
खटखटाएगी
बुझ जाएगा चराग़े-क़मर
उस के बाद क्या
उठी थी ख़ाक, ख़ाक से
मिल जाएगी वहीं
फिर उस के बाद किस को
ख़बर उस के बाद क्या
- क़मर जलालाबादी

माफी नामंजूर, लेकिन गिरफ्तारी पर रहेगी रोक

- एमपी के मंत्री विजय शाह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खूब सुनाया

कहा-आपके बयानों से पूरा देश शर्मसार है,हमने वीडियो देखे हैं

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान देने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की माफी सुप्रीम कोर्ट ने नामंजूर कर दी है। कोर्ट ने मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है। हालांकि कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है। शाह के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट ने माफी मांग ली है। इस पर कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि आप लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आप पब्लिक फिगर हैं। आपको बोलते समय अपने शब्दों पर विचार करना चाहिए।

इसके बाद कोर्ट ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम बनाने के आदेश दिए। इसमें तीन आईपीएस अधिकारी होंगे, जिनमें एक आईजी और बाकी दो एसपी लेवल के अफसर होंगे। इनमें एक अधिकारी महिला होना अनिवार्य होगा। सभी अफसर मध्य प्रदेश कैडर के हो सकते हैं, लेकिन राज्य के मूल निवासी नहीं होने चाहिए। एसआईटी 28 मई तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 14 मई को शाह के बयान पर नोटिस लेते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश पर उनके खिलाफ इंदौर के महू थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके खिलाफ शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मंत्री से कहा कि उन्होंने वो वीडियो देखे हैं जिसमें उन्होंने बयान दिया और माफी मांगी। अदालत ने पूछा कि यह घड़ियाली आंसू थे या कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोशिश। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, आपके बयानों से पूरा देश शर्मसार है। हमने आपके वीडियो देखे हैं। आप बहुत गंदी भाषा का इस्तेमाल करने की कगार पर थे। लेकिन किसी तरह बुद्धि आ गई या आपको उपयुक्त शब्द नहीं मिला। आपको शर्म आनी चाहिए। पूरे देश को सेना पर गर्व है और आपने ऐसा बयान दिया।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को समर्पित थीं देवी अहिल्या बाई होल्कर : मुख्यमंत्री

लोकमाता के कार्यों के विस्तार और विचारों पर शोध आवश्यक

भोपाल/इंदौर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर ने सुशासन, क्षेत्रीय विकास और न्याय प्रबंधन के अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किए। उनके द्वारा जनसामान्य के कल्याण और महिलाओं के स्वावलम्बन के लिए गए कार्य अनुकरणीय हैं। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर ने देश भर में धर्म और संस्कृति के उत्थान के कार्यों के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की दिशा में कार्य किया। उनके इस सपने को साकार करने के लिए लोकमाता के 300वें जयंती समारोह के अंतर्गत वर्ष इन विषयों पर केंद्रित गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती के आयोजन के लिए गठित समारोह समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के अवदान पर अध्ययन और शोध को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न राज्यों में देवी अहिल्या द्वारा निर्मित मंदिरों, पूजा घरों, धर्मशालाओं और अन्य सामुदायिक उपयोग की संरचनाओं के रख-रखाव के लिए संबंधित राज्य सरकारों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या द्वारा निर्मित देव स्थानों में धार्मिक स्वरूप की गतिविधियों के निरंतर आयोजन के लिए भी आवश्यक व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के महाराष्ट्र स्थित मूल गांव चौड़ी में विशेष दल भेजकर आवश्यक जानकारियों का एकत्रीकरण कराया जाए। प्रदेश के विभिन्न भागों में अहिल्या यात्रा के आयोजन, शाला व महाविद्यालय स्तर पर देवी अहिल्या पर केन्द्रित शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में जानकारी दी गई कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई के त्रिशताब्दी समारोह का मुख्य कार्यक्रम 31 मई को भोपाल के जम्बूरी मैदान में होगा। महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित इस कार्यक्रम में लगभग एक लाख प्रतिभागियों की उपस्थिति अपेक्षित है। कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से लोकमाता देवी अहिल्या को समर्पित डाक टिकट और सिक्के का लोकार्पण भी प्रस्तावित है। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला, समिति की सदस्य श्रीमती मेघा पवार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। समिति सदस्य श्रीमती माला ठाकुर, सुश्री विनिता धर्म, श्रीमती ज्योति तोमर और श्री राकेश देनिया बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

आज 200 साल पुराने राजवाड़ा में होगी मोहन कैबिनेट

मध्यप्रदेश में आजादी के बाद पहली बार इंदौर के राजवाड़ा में आज कैबिनेट बैठक होने जा रही है। यहां दरबार हॉल को ठीक वैसे ही सजाया जा रहा है जैसे होलकर रियासत में दरबार लगता था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सभी मंत्रियों के बैठने के लिए कुर्सियां नहीं, पटिए और गद्दे बिछाए गए हैं। यहां मंगलवार को सरकार महत्वपूर्ण फैसले लेगी।

संभल जामा मस्जिद के सर्वे का रास्ता हुआ साफ

हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका,याचिका खारिज

संभल (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल जामा मस्जिद के एएसआई सर्वे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है और एएसआई सर्वे के आदेश के खिलाफ इंतजामिया कमेटी की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि सर्वे कमिश्नर के लिए अर्जी देने के साथ इस मामले में दीवानी वाद भी पोषणीय है। कोर्ट ने इंतजामिया कमेटी के इस तर्क को भी स्वीकार नहीं किया कि दीवानी मुकदमा 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों से बाधित है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने सोमवार को खुली अदालत में सुनाया। कोर्ट ने जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी, हरि शंकर जैन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकीलों को सुनने के बाद गत 13 मई को निर्णय सुरक्षित कर लिया था।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 20 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बिहार पहुंच रहे चीन के घातक हथियार, बढ़ेगा खतरा

● अहमद अंसारी ने किए खुलासे तो मच गया है हड़कंप ● नागालैंड और दीमापुर से जुड़े तार, बड़ा वाला खुलासा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। एनआईए की जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। नागालैंड के रास्ते चीन से घातक हथियार बिहार पहुंच रहे हैं। इस मामले में अहमद अंसारी, विकास कुमार और देवमनी राय शामिल हैं। ये सभी दीमापुर के रणजीत दास से जुड़े हुए हैं। एनआईए हथियारों की सप्लाई चेन की गहराई से जांच कर रही है। उन्हें शक है कि

एके-47 जैसे हथियार चीन से नागालैंड लाए जा रहे हैं। दरअसल, एनआईए म्यांमार के रास्ते विदेशी एके-47 को नागालैंड लाने के मामले में रणजीत दास की भूमिका की जांच कर रही है। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में इसका जिक्र किया है। एनआईए को शक है कि चीन से अवैध हथियारों की खेप नागालैंड लाई जा रही है। एनआईए इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या ये लोग सेना और आईपीएस अफसरों को मिलने वाली ग्लॉक पिस्टल की तस्करी भी कर रहे थे। जांच में पता चला है कि अहमद अंसारी, विकास कुमार, सत्यम और देवमनी राय एके-47 के अलावा विदेशी पिस्टल भी सप्लाई करते थे। विकास और उसके साथियों से विदेशी पिस्तौल की तस्वीरें मिली हैं।

25 मई को कच्छ के भुज में पीएम मोदी भरेंगे हुंकार

● 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद गुजरात में करेंगे पहली सार्वजनिक सभा

अहमदाबाद (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादियों के आकाओं को कड़ा जवाब देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर आएंगे। पीएम मोदी के अहमदाबाद, दाहोद और कच्छ के भुज जाने की संभावना है। पीएम मोदी कच्छ के भुज में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार जल्द ही पीएम मोदी का आधिकारिक कार्यक्रम रिलीज हो जाएगा। इसे अंतिम तौर पर फाइनल किया जा रहा है। पीएम मोदी पिछले साल दीवाली पर कच्छ पहुंचे थे तब उन्होंने सरक्रीक के पास हरामी नाला के नजदीक सैनिकों के साथ दिवाली मनाई थी। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले हफ्ते भुज एयरबेस का दौरा किया था। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा पर राष्ट्र को संबोधित किया था। इसके बाद वह जाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे थे। वहां से पीएम मोदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया था। अब पीएम मोदी अपने गृह राज्य गुजरात पाकिस्तान को कड़ा संदेश दे सकते हैं। गुजरात में कच्छ-बनासकांठा और पाटण जिले पाकिस्तान की सीमा वाले जिले हैं। सैन्य संघर्ष के दौरान इन जिलों पाकिस्तान ने ड्रोन से हमला किया था।

भारत के खिलाफ 'तीसरा फ्रंट' खोलने की है तैयारी

● पाकिस्तान के यार खलीफा एर्दोगन का 'स्पेस पोर्ट' वाला प्लान

अंकारा/इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत के साथ संघर्ष के दौरान तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। तुर्की ने भारत और पाकिस्तान के बीच अपना खेमा चुन लिया है। लेकिन तुर्की को लेकर ताजा रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन की नजरें चीन की तरह ही हिंद महासागर में टिकी हुई हैं और इसके लिए वो अंतरिक्ष में बैलिस्टिक मिसाइल की टेस्ट के लिए एक स्पेसपोर्ट बनाने के लिए जगह खोज रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि तुर्की कथित तौर पर हॉर्न ऑफ अफ्रीका के सोमालिया से स्पेसपोर्ट बनाने

के लिए बात कर रहा है। इसके जरिए तुर्की की कोशिश ना सिर्फ हॉर्न ऑफ अफ्रीका में अपना प्रभाव बढ़ाना है, बल्कि स्पेस टेक्नोलॉजी को विस्तार देते हुए सोमालिया में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च पैड बनाना है। तुर्की इसके जरिए सोमालिया में स्थिति रणनीतिक भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाना चाहता है। हालांकि तुर्की का ये प्रोजेक्ट सीधे तौर पर भारत को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन पाकिस्तान की मदद के लिए जिस तरह से तुर्की खड़ा रहा है, वो भविष्य में नये खतरे का दरवाजा खोलता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में पाकिस्तान तुर्की के साथ स्पेस बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में शामिल हो सकता है और यहां से भारत के लिए सीधी परेशानी शुरू होगी।

प्रधानमंत्री 31 मई को भोपाल में महिला सम्मेलन को करेंगे संबोधित

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष को समर्पित होगा सम्मेलन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेशवासियों के लिए यह गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 31 मई को भोपाल आगमन प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री श्री मोदी भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष के शुभारंभ का प्रतीक यह सम्मेलन महिला सशक्तिकरण और स्वावलम्बन को समर्पित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भोपाल में 31 मई को संभावित भ्रमण कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

सम्मेलन में लगभग एक लाख महिलाएं भाग लेंगी। कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है, इसमें भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय भी सहयोग करेगा। कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर को समर्पित डाक टिकट और सिक्के का विमोचन भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में बैठक को

संबोधित कर रहे थे। बैठक में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का विजन ही राज्य शासन का मिशन है। उन्होंने ज्ञान के कल्याण के अंतर्गत गरीब-युवा-किसान और नारी सशक्तिकरण के लिए मिशन आरंभ किए हैं। प्रदेश में नारी सशक्तिकरण के लिए संचालित सभी प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों को महिला सम्मेलन में प्रदर्शित किया जाएगा। सम्मेलन में स्व सहायता समूहों के नवाचारों, उद्योग-रोजगार और स्टार्ट-अप में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल, सेव सिटी प्रोजेक्ट सहित विभिन्न विभागों द्वारा महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित स्टॉल लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में महिलाएं, नगरीय निकायों- पंचायतों, शासकीय सेवाओं और स्व सहायता समूहों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इंजीनियरिंग, चिकित्सा और शिक्षण सहित सभी विशेषज्ञतापूर्ण गतिविधियों में भी महिलाओं का योगदान बढ़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की उपस्थिति में हो रहे महिला सम्मेलन के अंतर्गत मंच संचालन, क्राॅउड मैनेजमेंट, यातायात प्रबंधन, मीडिया प्रबंधन और सुरक्षा सहित सम्पूर्ण व्यवस्था की कमान महिलाओं को सौंपी जाए। यह पहल प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में पधार रहीं महिलाओं के सुगम आगमन-प्रस्थान, उचित बैठक व्यवस्था के साथ ही पेयजल और खान-पान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

चंदेरी को 8.8 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

केंद्रिय मंत्री सिंधिया ने किया लोकार्पण, पोस्ट ऑफिस में निरीक्षण के दौरान झाड़ू लगायी

अशोकनगर (नप्र)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और अशोकनगर सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को चंदेरी में 8.8 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेला ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने जनसमस्याएं भी सुनीं और अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने चंदेरी की विरासत को सहेजते हुए क्षेत्र के समग्र विकास का संकल्प दोहराया।

सिंधिया ने कार्यक्रम में कहा कि मेरे लिए दिन और रात नहीं, केवल जनता की बात मायने रखती है। चंदेरी के विकास के लिए मैं हर जरूरी कदम उठाने को प्रतिबद्ध हूं।इस दौरान उन्होंने कई कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने अमृत 2.0 योजना के तहत रू. 79.21 लाख की लागत से हौजखास तालाब पुनरोद्धार, जल आवर्धन योजना के तहत रू. 6.71 करोड़ की लागत के कार्यों और रू. 1.30 करोड़ की लागत से भांडरी-रकवेरा सड़क निर्माण का शिलान्यास किया।

सिंधिया ने जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से लोगों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आवेदन निपटाने के लिए समयसीमा तय करने के निर्देश दिए। कई आवेदकों ने समाधान के प्रति संतोष जताते हुए मंत्री को अभिनंदन पत्र भी भेंट किए।

हौजखास तालाब में पूजा-अर्चना की

सिंधिया ने कार्यक्रम के बाद हौजखास तालाब पहुंचकर पूजा-अर्चना की और दीपदान किया। उन्होंने चंदेरी की बुनकर परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की बात कही। उन्होंने बताया कि चंदेरी बुनकर पार्क और राजघाट जलापूर्ति योजना जैसे प्रोजेक्ट क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी साबित होंगे।

ईसागढ़ में तिरंगा यात्रा में लिया हिस्सा

इसके बाद केंद्रीय मंत्री ईसागढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने तिरंगा यात्रा में भाग लिया। यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों पर बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और उत्साह के साथ झंडा यात्रा में भाग लिया।

पोस्ट ऑफिस में झाड़ू लगायी

ईसागढ़ पोस्ट ऑफिस का औचक निरीक्षण करने पहुंचे सिंधिया को परिसर में गंदगी मिली। उन्होंने वहां मौजूद कर्मचारियों से झाड़ू मंगवाकर स्वयं सफाई शुरू कर दी और सामग्री को व्यवस्थित भी किया। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई केवल जिम्मेदारी नहीं, आदत बननी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

सिंधु जल संधि के संबंध में मोदी सरकार के ऐतिहासिक निर्णय पर शिवराज सिंह का किसानों से संवाद

सिंधु जल संधि देश के साथ अन्याय, पं. नेहरू ने पाकिस्तान को दिया था पैसा और पानी : शिवराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सिंधु जल संधि के संबंध में मोदी सरकार के फैसले को लेकर किसान संगठनों के साथ आज दिल्ली में पूसा परिसर स्थित शिंदे सभागृह में महत्वपूर्ण संवाद किया गया। विभिन्न राज्यों से आए किसान संगठनों ने एक सुर से जहां मोदी सरकार के सिंधु जल संधि संबंधी निर्णय का स्वागत किया, वहीं शिवराज सिंह ने किसानों के हितों की चिंता करते हुए तीखे तेवरों के साथ कहा कि सिंधु जल संधि देश के साथ अन्याय था, तब पंडित जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया था, केवल पानी ही नहीं दिया, पानी के साथ 83 करोड़ रुपये भी दिए, जिसकी वर्तमान में कीमत 5 हजार 500 करोड़रु. है। शिवराज सिंह ने कहा कि जल विशेषज्ञों के विरोध कॉ बावजूद पं. नेहरू ने संधि के लिए विवश किया था। अपने किसानों का पेट काटकर हम उनको पानी दे रहे थे, जो आतंकियों को पैदा करने के लिए जवाबदार है। शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक अन्याय को समाप्त किया, उनका अभिनंदन है। इस पानी का उपयोग अब देश एवं किसानों के हित में किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि पिछले दिनों के घटनाक्रम ने हम सभी को झकझोर दिया, जिस ढंग से हमारे निर्दोष नौजवानों को कौन-सा धर्म है, पूछ-पूछकर मारा गया, सारा देश व्यथित व हर दिल में गुस्सा था। हम किसी को छेड़ते नहीं है लेकिन ये भारत है, हमें कोई छेड़ता है तो हम उसे छोड़ते भी नहीं हैं। प्रधानमंत्री जी ने सेना को खुली छूट दी और सेना ने तय किया ये भारत है हम हर किसी को नहीं मारेंगे, तो निशाना बनाया आतंकवादियों को, उनके अड्डों को और आतंक के अड्डे तबाह कर दिए गए। हमने सीधे पाकिस्तान पर हमला नहीं बोला, हमारी लड़ाई आतंकवादियों से थी लेकिन पाकिस्तान माना नहीं शुरूआत पाकिस्तान ने की, वो सोच रहा था कि तुर्की, चीन के ड्रोन, मिसाइल वो दागकर भारत को डरा लेगा। हमें गर्व है हमारी सेना पर, उनके शौर्य को मैं प्रणाम करता हूं, उनके ड्रोन-मिसाइल को खिलौनों की तरह मारकर गिरा दिया। तीन दिन में पाकिस्तान घुटनों पर आ गया। ऐसे वक्त में निर्णायक फैसले किए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने। पीएम ने फैसला किया पानी-खून साथ-साथ नहीं बह सकता।

ऐतिहासिक फैसला सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया, ये साधारण घटना नहीं है। बड़ा अन्याय देश के साथ हुआ था। शिवराज सिंह ने कहा कि अटल जी ने 1960 में संसद में भाषण दिया था।

भारत धर्मशाला नहीं, जहां दुनिया भर के शरणार्थी घुस आएं

सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया आईना, कहा-हम खुद 140 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां दुनिया भर से शरणार्थी आएं और बसते चले जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने एक श्रीलंकाई तमिल की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि हमारी तो अपनी ही आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। ऐसे में क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों का अपने यहां स्वागत कर सकता है। यह कोई धर्मशाला तो नहीं है, जहां हम दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत करें। इसके साथ ही उन्होंने श्रीलंकाई तमिल शख्स को हिरासत में लिए जाने के मामले में दखल से इनकार कर दिया। श्रीलंकाई तमिल शख्स ने खुद को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी, जिसमें दखल से शीर्ष अदालत ने साफ इनकार कर दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता के नेतृत्व वाली बेंच में जस्टिस के. विनोद चंद्रन भी शामिल थे। श्रीलंकाई तमिल ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अर्जी दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि अपनी 7 साल की सजा पूरी होने के तुरंत

बाद वह देश से निकल जाए। शख्स को एक केस में 7 साल कैद की सजा मिली थी। लेकिन श्रीलंकाई तमिल ने सजा पूरी होने के बाद भारत में ही रहने की इच्छा जाहिर की। उसके वकील ने अदालत से कहा कि मेरा मुवक्किल वीजा लेकर भारत आया था। अब यदि वह अपने देश वापस गया तो फिर उसकी जान को खतरा होगा। उन्होंने कहा कि शख्स को बिना किसी डिपोर्टेशन की प्रक्रिया के ही करीब तीन सालों से हिरासत में रखा गया है। इस पर जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा, आखिर आपका यहां बसने का क्या अधिकार है। इस पर याची के वकील ने कहा कि वह एक शरणार्थी हैं और उनके बच्चे एवं पत्नी पहले से ही भारत में सेटल हैं। इस पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि याची को भारत छोड़ने का आदेश देने में किसी भी तरह से आर्टिकल 21 का उल्लंघन नहीं हुआ है। जस्टिस दत्ता ने कहा कि आर्टिकल 19 के तहत भारत में बसने का अधिकार सिर्फ यहां के नागरिक को ही है। किसी भी बाहरी व्यक्ति के पास कोई अधिकार नहीं है।

● रोहिंग्या रिफ्यूजी वाली अर्जी भी सुप्रीम कोर्ट ने की थी खारिज

बता दें कि रोहिंग्या रिफ्यूजियों के मामले में भी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से इनकार कर दिया था। दरअसल याची को 2015 में लिट्टे से जुड़े होने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। 2018 में शख्स को ट्रायल कोर्ट ने दोषी करार दिया था और 10 साल की कैद की सजा दी थी। इस फैसले के खिलाफ उसने हाई कोर्ट में अपील की थी, जिसके बाद उसकी सजा 7 साल हो गई। इसके साथ ही यह आदेश भी उच्च न्यायालय ने दिया था कि वह सजा पूरी होते ही देश छोड़ देगा। अब देश छोड़ने के फैसले के खिलाफ याची ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन अदालत ने राहत देने से साफ इनकार कर दिया।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को जल्द खोजें, जांच कर बाहर निकालें

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को दी 30 दिन की मोहलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने बांग्लादेश और म्यांमार से आए उन संदिग्ध अवैध प्रवासियों की पहचान और उनके दस्तावेजों की जांच के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 30 दिन की समय सीमा दी है, जो स्वयं को भारतीय नागरिक बताते हैं। मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, यदि 30 दिनों के भीतर उनके दस्तावेजों की पुष्टि नहीं होती, तो उन्हें देश से निर्वासित कर दिया जाएगा। इस महीने जारी किए गए निर्देशों में, गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने वैधानिक अधिकारों का उपयोग करके अवैध प्रवासियों की पहचान, जांच और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। साथ ही, मंत्रालय ने सभी राज्यों को जिला स्तर पर पर्याप्त हिरासत केंद्र (डिटेंशन सेंटर) स्थापित करने

के निर्देश दिए हैं, जहां निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने तक संदिग्ध प्रवासियों को रखा जाएगा। यह कदम केंद्र सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने अपने निर्देशों में कहा है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या प्रवासियों का रिकॉर्ड रखना होगा, जिन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और तटरक्षक बल को निर्वासन के लिए सौंपा जाता है। इसके अलावा, हर महीने की 15 तारीख को इस संबंध में केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट सौंपना अनिवार्य होगा। मंत्रालय ने ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को भी निर्देश दिए हैं कि निर्वासित व्यक्तियों की सूची एक पोर्टल पर प्रकाशित की जाए। यह डेटा आधार नंबर, मतदाता पहचान पत्र और पासपोर्ट जारी करने से रोकने के लिए है।

यूट्यूबर ज्योति एनआईए की हिरासत में, टेरर कनेक्शन में होगी पूछताछ

● आतंकी हमले से पहले पहलगाम-पाकिस्तान गई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में ले लिया है। एनआईए की टीम सोमवार को ज्योति से पूछताछ करने हिसार पहुंची थी। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर चंडीगढ़ ले गई। अब ज्योति से टेरर लिंक को लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके साथ जम्मू इंटेलीजेंस भी यूट्यूबर से पूछताछ करेगी। इससे पहले यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया। उसके 1.39 लाख फॉलोअर्स थे। रविवार, 18 मई की रात को भी हिसार पुलिस ज्योति के घर पहुंची थी। वहां छानबीन कर कुछ दस्तावेज जब्त किए गए हैं। हिसार पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि ज्योति पहलगाम हमले से पहले कश्मीर गई थी।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने किया देवी अहिल्या प्रतिमा पर माल्यार्पण

इंदौर (एजेंसी)। पुण्य श्लोका मां अहिल्या की 300वीं जयंती पर सोमवार को राजवाड़ा स्थित मां अहिल्या की प्रतिमा पर बीजेपी नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित जनप्रतिनिधियों ने माल्यार्पण किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेंद्र हार्डिया और रमेश मेंदोला उपस्थित रहे। इस मौके पर बीजेपी विशेष कार्यक्रम आयोजित कर रही है। जिसकी शुरुआत सोमवार को सुबह राजवाड़ा स्थित मां अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। बता दें कि मां अहिल्या की 300वीं जयंती कैबिनेट की बैठक होगी? इंदौर बीजेपी सह-मीडिया प्रभारी नितिन द्विवेदी ने बताया कि मां अहिल्या की जयंती का उत्सव 31 मई तक चलेगा। इस दौरान अलग-अलग आयोजन किए जाएंगे। जिसकी शुरुआत अहिल्या माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हो चुकी है।

यह कार्यक्रम होंगे 31 मई तक

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि आज से 31 मई तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी ने एक टोली का गठन किया है। पर्व के अंतर्गत रंगोली, चित्रकला, निबंध, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और खो-खो प्रतियोगिता के साथ महिला सशक्तिकरण के लिए महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी इंदौर द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में अभी तक संपन्न हुई कैबिनेट बैठकों के प्रमुख विकासात्मक निर्णयों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन भी सीएम करेंगे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि इंदौर की आम जनता के लिए चित्रमय प्रदर्शनी लगाई गई है, गर्मी के मौसम को देखते हुए विशेष रूप से एयर कूल्ड पंडाल लगाया गया है, जिसमें विभिन्न चरणों में प्रदेश सरकार के जनहितैषी निर्णय व विकास को प्रदर्शित किया गया है। प्रमुख निर्णयों को विभाग स्तर पर भी प्रदर्शित किया गया है। समाज कल्याण, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, गरीब कल्याण, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इंदौर को दी गई विकास की प्रमुख सौगातों का विशेष वर्णन है। प्रदर्शनी में सुशासन की प्रतीक देवी अहिल्या जी के चित्रों को भी प्रदर्शित किया जा रहा है।

फर्जी प्लाट डील में भाजयुमो के पूर्व उपाध्यक्ष गिरफ्तार

कपिल को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा, पत्नी सहित दो अन्य फरार

इंदौर (एजेंसी)। लसूडिया पुलिस ने फर्जीवाड़े के मामले में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष कपिल गोयल को गिरफ्तार किया है। कपिल के खिलाफ मार्च 2025 में जमीन से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया था। रविवार को पुलिस ने कपिल को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। इस मामले में कपिल की पत्नी दीपाली,अभिषेक राठौर उर्फ प्रबल पटौदी और शुभम मालवीय फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है। डीसीपी अभिवन विश्वकर्मा (जोन 2) के अनुसार, पीड़ित नरेंद्र कुमार माहेश्वरी को प्लॉट दिलाने के नाम पर कपिल ने 49 लाख रुपए ऐंठ लिए थे। कपिल ने विस्तारा टाउनशिप के नाम से फर्जी अलॉटमेंट लेटर तैयार कर नरेंद्र को सौंपा। बाद में यह सौदा बदलते हुए बाबजी नगर एक्सटेंशन में एक अन्य भूखंड दिखाया गया, जिसकी कीमत अधिक बताते हुए एक हिस्सा अपने पिता के नाम करने की बात कही गई।

फर्जीवाड़ा सामने आने पर नरेंद्र ने की शिकायत

इस भूखंड का मालिक अभिषेक राठौर उर्फ प्रबल पटौदी को बताया गया, जिससे कपिल ने नरेंद्र की मुलाकात पीयू-4 स्थित ऑफिस में कराई। इसके बाद कपिल ने अपनी पत्नी और अन्य लोगों की मदद से फर्जी दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्रार ऑफिस में रजिस्ट्री करवा दी। जब नरेंद्र को फर्जीवाड़े की जानकारी मिली, तो उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत दी। इसी आधार पर मार्च 2025 में कपिल व अन्य आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ।

अन्य आरोपी फरार- लसूडिया पुलिस ने कपिल को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है और अन्य आरोपियों कपिल की पत्नी दीपाली, अभिषेक राठौर उर्फ प्रबल पटौदी और शुभम मालवीय की तलाश की जा रही है।

महू में तेज बारिश, पेड़ गिरने से 2 लोग दबकर घायल

पाताल पानी में आंधी-तूफान से टीन शेड की छत उड़ी

महू (एजेंसी)। महू में सोमवार दोपहर को अचानक तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। आंधी के कारण मध्य भारत अस्पताल में एक पेड़ शेड पर गिर गया। शेड के नीचे बैठे दो युवक इस हादसे में घायल हो गए। वहीं पाताल पानी में आंधी-तूफान के चलते घरों की टीन शेड की छत उड़ गई। घायल भगोरा गांव निवासी ऋषि वैष्णो और समीर खान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों ने बताया कि तेज बारिश से बचने के लिए वे शेड के नीचे गए थे। इसी दौरान तेज आवाज के साथ पेड़ शेड पर गिर गया और वे दोनों नीचे दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने पेड़ को उठाकर दोनों युवकों को बाहर निकाला। दोनों के सिर और मुंह पर चोटें आई हैं। फिलहाल उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।तेज आंधी के कारण शहर के आसपास कई अन्य स्थानों पर भी पेड़ गिरने की सूचना है।

ऑटो व ई-रिक्शा की मनमर्जी

न रुकने का नियम, न स्टैंड तय, किराया भी मनमाना, 80 प्रतिशत में मीटर नहीं, जनता परेशान

इंदौर (एजेंसी)। शहर में ऑटो रिक्शा व ई-रिक्शा की मनमानी से आम जनता परेशान है। न तो इनके रुकने के लिए कोई नियम बना है और न ही इनके स्टैंड तय हैं। यातायात में तो ये बाधक बन ही रहे हैं, मनमर्जी का किराया वसूलने से यात्रियों के लिए भी दुविधा बन गए हैं। परिवहन विभाग के वाहन पोर्टल पर नजर डालें तो शहर में 41 हजार ऑटो रिक्शा व 11 हजार ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। इनमें से 80 फीसदी से ज्यादा में तो मीटर ही नहीं हैं और किसी में लगा भी है तो चालू नहीं रहता है। हालांकि ई-रिक्शा में तो मीटर है ही नहीं। ऑनलाइन बुकिंग के रेट भी ये अपनी मर्जी से तय करते हैं। ताज्जुब की बात है कि जनता की इस परेशानी को देखने-सुनने वाला कोई जिम्मेदार तय ही नहीं है। आरटीओ ने भी 2022 में इनकी दरें तय की थीं, उसके बाद से कोई अपडेशन नहीं हुआ। नापतौल विभाग भी कागजों पर सत्यापन कर इतिश्री कर लेता है। ट्रैफिक पुलिस की भी रोक-टोक नहीं है। इन सभी छूट का उपयोग करके ये मनमर्जी से किराया वसूल रहे हैं। जनता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रही है। आम जनता का बस यही कहना है कि इनके संचालन के नियम बनाए जाएं और मनमाने किराए पर रोक लगाकर इनकी नियमित जांच की जाए। जानकारी अनुसार पोर्टल पर दर्ज संख्या में से 40 फीसदी के पास तो परमिट ही नहीं हैं, वहीं 10 से 20 फीसदी का तो फिटनेस भी खत्म हो गया है। चालकों के पास न कमर्शियल लाइसेंस हैं और न ही परमिट। वे सामान्य लाइसेंस से ही गाड़ी चला रहे हैं। कई ऑटो रिक्शा में तो मीटर ही नहीं लगे हैं और जिनमें लगे हैं वे दिखावे के रह गए हैं। कई के पास नापतौल विभाग की ओर से सत्यापन भी नहीं है।

इंदौर में सीए की कॉर्डियक अरेस्ट से मौत, दिल की नली कठोर थी

इंदौर (एजेंसी)। पुणे से इंदौर शादी में शामिल होने आए 29 साल के सीए की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। पोस्टमार्ट्म में खुलासा हुआ कि उनके दिल की नली (कोरोनरी आर्टरी) कठोर थी। गांधी नगर पुलिस के अनुसार मृतक का नाम आयुष पिता लोकेंद्र व्यास निवासी संपत हिल्स गांधी नगर है। रिश्तेदार पीयूष ने बताया कि आयुष पुणे में नौकरी करता था। आयुष के पिता व्यापारी हैं। इकलौते बेटे की मौत के बाद परिवार ने उसकी आंखें दान करने का निर्णय लिया। फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉ. भरत वाजपेयी ने बताया, मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। उनकी कोरोनरी आर्टरी कठोर और अवरुद्ध थी। आमतौर पर 45 की उम्र के बाद ये लक्षण देखे जाते हैं।

इंदौर में 4 लाख के मोबाइल के साथ पकड़ाए चोर

साइबर टीम ने आईईएमआई नंबर की मदद से पकड़ा, ब्राउन शुगर-शराब के दो अन्य मामलों में चार गिरफ्तार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की विजयनगर पुलिस ने 4 लाख रुपए के चोरी के मोबाइल के साथ तीन आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों ने चोरी के मोबाइल आपस में बांटने के बाद सस्ते दामों पर बेच दिए थे। साइबर टीम की सर्चिंग में मोबाइल की लोकेशन आने पर चोर की जानकारी लग गई। पुलिस अभी इस मामले में मोबाइल खरीदने वालों की जानकारी जुटा रही है। विजयनगर टीआई चंद्रकांत पटेल ने बताया कि अंकित सोनी निवासी परदेशीपुरा ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया गया कि उसकी विजयनगर इलाके में स्थित मोबाइल शॉप से सितंबर 2024 में मोबाइल चोरी हुए थे। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। लेकिन चोर की जानकारी नहीं जुटा पाई थी। सभी मोबाइल के आईईएमआई नंबरों के आधार पर साइबर टीम जांच कर रही थी। इसी बीच मोबाइल एक्टिव मिलने पर साइबर टीम की मदद से एक युवक को पकड़ा गया। उसकी निशानदेही पर अशरफ उर्फ बाला पुत्र रशीद खान को पकड़ा गया है। आरोपी के पास से करीब 4 लाख रुपए के मोबाइल जब्त किए गए। आरोपी ने बताया कि उसने जावेद पुत्र बशीर खान, निवासी तराना उज्जैन और इरशाद पुत्र हकीम, निवासी इच्छावर जिला सिहोर के साथ मिलकर चोरी की थी। इसके बाद माल आपस में बांट लिया था। अशरफ पर करीब 13 मामले दर्ज हैं।

ब्राउन शुगर और शराब के साथ पकड़ाए आरोपी

क्राइम ब्रांच ने दो अलग-अलग मामलों में ब्राउन शुगर और शराब के साथ चार आरोपियों को पकड़ा है। क्राइम ब्रांच के अफसरों के मुताबिक टीम ने डीआरपी लाईन के यहां से अजय उर्फ नन्नू बानोद, निवासी जूनी इंदौर और सोनू पंचोले, निवासी रामानंद नगर को पकड़ा है। आरोपियों से 52 ग्राम ब्राउन बरामद हुई है। अजय पर एनडीपीएस, आर्म्स एक्ट और चोरी के करीब 10 मामले दर्ज हैं। वहीं सोनू पर 13 मामले दर्ज हैं। इधर, नवलखा बस स्टेंड के पास से क्राइम ब्रांच की टीम ने लखन उर्फ गोलू सिलावट, निवासी पारसी मोहल्ला छावनी और आकाश सिलावट, निवासी कलाली मोहल्ला को पकड़ा है। आरोपियों के पास से करीब 14 पेटी शराब मिली है। लखन चाय की दुकान चलाने के साथ उसकी आड़ में शराब बेचता था। उस पर पहले के दो मामले दर्ज हैं। वहीं आकाश पर भी दो मामले दर्ज हैं।

इंदौर में मकान-दुकान के सौदे का झांसा देकर ठगी

27 लाख से ज्यादा हड़पे, न कब्जा मिला, न कागज, अब आरोपी फरार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में मकान और दुकान के सौदे के नाम पर 27 लाख 50 हजार रुपए की ठगी करने के मामले में लसूडिया पुलिस ने केस दर्ज किया है। फरियादी संजय शेवगेवर ने अखिलेश जैन के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत की थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, संजय शेवगेवर कासा ग्रीन कॉलोनी में रहते हैं।

उनकी मुलाकात अखिलेश जैन से हुई, जो पहले अशोक नगर एरोड्रम रोड में रहता था और फिलहाल सागर मोती परिसर, जावरा में रहता है। दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी। बातचीत के दौरान अखिलेश ने छोटा बांगड़दा, अशोक नगर के पीछे स्थित मकान की पहली मंजिल और नीचे बनी दुकान को बेचने की बात कही। अखिलेश ने मकान की कीमत 38 लाख और दुकान की कीमत 14 लाख रुपए बताई। साथ ही बताया कि दोनों की रजिस्ट्री बैंक में गिरवी है और पेपर छूटने के बाद वह प्रॉपर्टी संजय के नाम कर देगा। इस पर संजय ने पूरी राशि न होने की बात कही। इसके बाद अखिलेश, संजय को उनके पड़ोसी सीए संजय लोढ़ा के पास लोन के लिए लेकर गया। संजय की मां की एलआईजी स्थित संपत्ति पर 45 लाख रुपए का लोन पास करवाया गया। अखिलेश ने अपने एक साथी अजय खंडेलवाल की मदद से बैंक से पैसे निकलवाकर नकद देने की बात कही, लेकिन संजय ने मना कर दिया। संजय को अखिलेश से मिलवाने वाला भी अजय ही था। अजय के कहने पर संजय ने अखिलेश की फर्म के खाते में साल 2014 से 2019 के बीच 19 लाख 75 हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसके अलावा, संजय की मां ने अखिलेश को 8 लाख रुपए नकद दिए। जब संजय ने रजिस्ट्री मांगी, तो अखिलेश बहाने बनाने लगा। फरवरी 2020 से अगस्त 2021 तक अखिलेश ने अजय की प्रॉपर्टी के लोन की किस्तें भरीं, लेकिन इसके बाद कोरोना और व्यापार में नुकसान का हवाला देकर भुगतान बंद कर दिया।

इंदौर के मदरसे में छात्र की करंट लगने से मौत

पेड़ पर गिरे कपड़े को सरिए से निकाल रहा था, हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर झुलसा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के खजराना क्षेत्र में एक मदरसे में रविवार दोपहर करंट लगने से 16 वर्षीय छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। छात्र कपड़े धोने के बाद उन्हें सुखाने के लिए मदरसे की तीसरी मंजिल पर गया था। इस दौरान एक कपड़ा हवा में उड़कर पास के पेड़ की टहनी पर जा गिरा। छात्र जब उसे निकालने के लिए लोहे के सरिए का उपयोग कर रहा था, तभी वह सरिया पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। करंट लगने से उसके कपड़ों में आग लग गई और वह बुरी तरह झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने धमाके की आवाज सुनी और मदरसे के स्टाफ को बुलाया। स्टाफ तुरंत ऊपर पहुंचा और झुलसे हुए छात्र को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल लेकर गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

दो साल से मदरसे में रहकर कर रहा था पढ़ाई

पुलिस के अनुसार, मृतक छात्र का नाम जाहिद (16) पुत्र शाकिर खान, निवासी सांवेर है। वह बीते दो वर्षों से खजराना क्षेत्र के इस मदरसे में रहकर पढ़ाई कर रहा था। उसका 10 वर्षीय छोटा भाई भी उसी मदरसे में पढ़ता है, जबकि माता-पिता सांवेर में रहते हैं। पिता शाकिर खान मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

लालच में ठगे गए रिटायर ब्रिगेडियर...

फर्जी शेयर ट्रेडिंग एप पर लगवाए 1.26 करोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

महू (एजेंसी)। बड़गोंदा थानाक्षेत्र में फर्जी शेयर ट्रेडिंग एप के माध्यम से निवेश कराकर मोटी कमाई का लालच देकर करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार है। पुलिस के अनुसार, एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर को जनवरी में शेयर ट्रेडिंग में निवेश कर मोटा फायदा लेने की योजना बताई गई। कई प्रयासों के बाद, रिटायर्ड बिग्रेडियर ने कुछ पैसा शेयर ट्रेडिंग के लिए ठग द्वारा बताए गए खाते में जमा कराया। इन पैसों से ठगों ने कुछ शेयर खरीदने का दावा किया, जो शेयर ट्रेडिंग एप पर भी दिखाई देने लगे। इन शेयरों की कीमत लगातार बढ़ने लगी, जिससे भारी मुनाफा एप पर दिखने लगा। इसके बाद ठगों ने क्लाइंट को और राशि लगाने के लिए कहा, तो पीड़ित

ने मुनाफा देखते हुए राशि जमा की। इसके बाद ठगों ने उस राशि से फिर नए शेयर खरीदने का दावा किया। मार्च तक ठगों के बताए खाते में करीब 1 करोड़ 26 लाख रुपए जमा करने के बाद, शेयरों की कीमत करीब 11 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी थी। मार्च में रिटायर्ड ब्रिगेडियर ने इस मुनाफे की राशि का ट्रांजेक्शन अपने खातों में करने का प्रयास किया। जब इन पैसों का ट्रांजेक्शन नहीं हुआ, तो उन्हें ठगी का अहसास हुआ।

खाते में फ्रीज कराए 6.50 लाख

पुलिस के अनुसार, मामले की सूचना मिलते ही संबंधित बैंक से संपर्क कर खाते को फ्रीज कराया गया। इसमें जमा करीब साढ़े 6 लाख रुपए ठग निकालने में सफल नहीं हो सके। वहीं, पुलिस ने करीब साढ़े 3 लाख रुपए नकद भी रिकवर किए हैं। बड़गोंदा पुलिस ने बताया कि बिचौलिए और खाताधारक को इसमें गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी के बारे में पूछताछ की जा रही है।

आरोपियों से की जा रही पूछताछ- पुलिस ने जिस खाते में राशि जमा हुई, उस बैंक और खाते की डिटेल निकालकर गुजरात के केतन दर्जी को पकड़ा। पूछताछ में केतन ने बताया कि उसने अपना खाता भोपाल निवासी विशाल रजक के माध्यम से किसी को किराए पर दिया था।

पाइल फाउंडेशन प्रक्रिया भूकंप से बचाएगी भेरूघाट

150 मीटर खाई पर दूसरे वाया डक्ट का काम शुरू

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर-खंडवा रोड पर भेरूघाट के विकल्प के रूप में बन रहे वाया डक्ट का पहला हिस्सा पूरा होने वाला है। अब इसके दूसरे हिस्से पर काम शुरू होगा। यानी जंगल के बीच खाई के ऊपर सड़क बनेगी। यहां पहाड़ी हिस्सा होने के चलते आने और जाने का रास्ता तो अलग होगा ही, साथ ही दोनों की लंबाई भी अलग है। बायीं तरफ 150 मीटर और दायीं तरफ 90 मीटर का वाया डक्ट बनेगा। इस दूरी को पाटने के लिए 30 मीटर ऊंचे पियर बनेंगे। यहां कुल 12 पियर बनाए जाने हैं।

पहले वाया डक्ट के मुकाबले दूसरे वाया डक्ट पर काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि यहां जमीन की ढलान 60 से 70 डिग्री एंगल पर है। इसके ऊपर सड़क मजबूत बन सके और पत्थरों में गहराई तक वाया डक्ट की नींव स्थापित करना होगी। इसके लिए यहां ओपन फाउंडेशन की जगह पाइल

फाउंडेशन पद्धति को अपनाया जा रहा है। प्रोजेक्ट मैनेजर चंदन पटेल ने बताया, पहले वाया डक्ट का काम पूरा हो गया है। हमने दूसरे वाया डक्ट पर काम शुरू कर दिया है।

क्या होता है पाइल फाउंडेशन?

जमीन के अंदर गहराई तक नींव डालकर स्टील या कांक्रीट का पाइल बनाकर उस पर निर्माण करने को पाइल फाउंडेशन कहते हैं। यह तब इस्तेमाल होता है जब मिट्टी कमजोर हो या सड़क पर भारी ट्रैफिक का अंदेशा हो। इसमें जो पाइल बनाए जाते हैं, वो भूकंप के झटकों के समय भी स्ट्रक्चर को टूटने या गिरने नहीं देते।

12 पियर पर खाई को क्रॉस करेगा ब्रिज

इसमें जो लंबा हिस्सा है बायीं तरफ का, वहां 8 पियर बनाए जाएंगे, वहीं दायीं तरफ वाले छोटे हिस्से में 4 पियर बनाए जाएंगे। यह हिस्सा 90 मीटर का रहेगा। इस प्रकार कुल 12 पियर पर ये छोटी-सी खाई को पाटने वाला ब्रिज बनाया जाएगा।

संपादकीय

सर्वदलीय डेलीगेशन पर बेजा विवाद

पहलगाम हमले और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ हुए ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी विदेशों को देने के लिए गठित 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल नामों को लेकर जारी सियासत दुखद है। कांग्रेस का मोदी सरकार पर आरोप है कि उसने जो नाम भेजे थे, उनमें से ज्यादातर को प्रतिनिधिमंडल में शामिल नहीं किया गया, जबकि जिन सांसद शशि थरूर का नाम पार्टी ने भेजा ही नहीं था, उन्हे एक डेलीगेशन का हेड बना दिया। इस पर सरकार का कहना है कि उसने कांग्रेस पार्टी से नाम मांगे ही नहीं थे। इसी तरह शिवसेना उद्धव का आरोप है कि उनसे भी सरकार ने कोई नाम नहीं मांगा। जबकि जो नाम घोषित हुए हैं, उनमें शिवसेना (उद्धव) की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी का नाम शामिल है। वैसे कांग्रेस ने अपने अनुभवी नेता शशि थरूर या मनीष तिवारी का नाम क्यों नहीं भेजा और जो नाम भेजे, उनमे से एक को छोड़ दें तो बाकी में विदेश नीति अर विदेशी प्रतिनिधियो से बात करने का खास माद्दा नजर नहीं आता। जो नाम भेजे गए, उसमे अंतरराष्ट्रीय मामलोंकी समझ से ज्यादा राहुल गांधी और पार्टी के प्रति के वफादारी को ज्यादा तवज्जो दी गई, ऐसा लगता है। जबकि साल भर पहले ही कांग्रेस ने थरूर को विदेश मामलों की स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की थी। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि सरकार ने डेलीगेशन के लिए जो नाम चुने हैं, उसका मकसद कांग्रेस नेतृत्व को नीचा दिखाना है। लेकिन केन्द्रीय अल्पसंख्यवक कल्याण मंत्री किरेन रिजीजू ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। वैसे भी किसके नाम भेजे और किसके नहीं, यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है। शशि थरूर कई बार पार्टी लाइन से हटकर अपनी राय रखते रहे हैं। उनको एक प्रतिनिधिमंडल का मुखिया बनाना न केवल अंतरराष्ट्रीय मामलों में थरूर की समझ का सम्मान है बल्कि केरल की राजनीति में थरूर की भाजपा से गलबहियों का भी संकेत है। अभी यह कहना मुश्किल है कि थरूर भाजपा में शामिल होंगे या नहीं लेकिन पीएम मोदी से उनकी नजदीकी लगातार बढ़ रही है। दरअसल, केंद्र सरकार ने 59 सदस्यों वाले 7 डेलिगेशन (ग्रुप) की घोषणा की है। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत हैं। इसमें एडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के हैं, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी हैं। ये डेलिगेशन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों का दौरा करेगा। वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखेगा। इसके पूर्व विदेश सचिव विक्रम मिसरी चरणों में इन डेलिगेशन को ब्रीफ करेंगे। ग्रुप 1 की कमान भाजपा सांसद बैजयंत पांडा, ग्रुप 2 की जिम्मेदारी भाजपा के रविशंकर प्रसाद, ग्रुप 3 जेडीयू के संजय कुमार झा, ग्रुप 4 शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, ग्रुप 5 शशि थरूर, ग्रुप 6 डीएमके सांसद कनिमोझी और ग्रुप 7 की जिम्मेदारी एनसीपी (शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले के हाथ है। हालांकि इस तरह का यह मूव पहली बार नहीं है। पीवी नरसिंहराव सरकार के समय भी कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का पक्ष रखने के लिए तत्कालीन पीएम ने उस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल भेजा था। 2008 में मुंबई हमले के बाद मनमोहन सरकार ने दस्तावेजों के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजा था। उसका काफी असर हुआ था। वैसे भारत का सरकार द्वारा पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर की सही जानकारी दुनिया को देने के मकसद की गई इस पहल को विदेश नीति के संदर्भ में मोदी सरकार का स्मार्ट मूव माना जा रहा है। इसका भारत को कितना कूटनीतिक लाभ मिलता है, यह देखने की बात है।

भारतीय कूटनीति पर उठते सवाल

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। संप्रति पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के डॉ. आंबेडकर चेयर में चेयर प्रोफेसर हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय राजनीति एवं कूटनीति पर बहस तेज हो गई है। देश की सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए सतारूढ़ पार्टी एवं विपक्ष सब साथ में आए। सशत्र बल के शौर्य, पराक्रम, उनकी राष्ट्रभक्ति व सेवा के साथ समर्पण से ऑपरेशन सिंदूर पर सभी को गर्व का अनुभव हुआ और सभी ने सैनिकों की खूब प्रशंसा भी की लेकिन देश को दो बातें खूब खटकी कि अचानक से सीजफायर क्यों घोषित हुआ? सीजफायर अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले क्यों अपने ट्विटर हैंडिल से सबसे पहले सार्जनिक किया, उसके बाद पाकिस्तान और उसके बाद भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसको अपने ट्विटर हैंडिल से भारतीयों को बताया? संघर्ष विराम के बाद भारतीय राजनीतिक दल, मीडिया एवं प्रबुद्ध वर्ग का एक सवाल यह भी सामने आया कि आखिर कौन सी ऐसी बात है जिसकी वजह से भारत सरकार ने कई दिनों तक राष्ट्रपति ट्रंप के अनाप-सनाप बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी? संघर्ष विराम के लिए डीजीएमओ का एक फोन आया और संघर्ष विराम इतना ज़ल्दी कैसे भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया और इसे देर रात तक सूचित भी कर दिया? एक सवाल यह भी आया कि आखिर यह सीज फायर कब तक चलने वाला है जबकि दो दिनों तक सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान की ओर से सैन्य कार्रवाई होती रही। एक बड़ा प्रश्न यह भी रहा कि यदि सभी भारतीय राजनीतिक दल ने नरेंद्र मोदी सरकार और सेना में अपना विश्वास व्यक्त किया तो अकेले डीजीएमओ लेवल का कोई फोन आया और उसे सर्कार मान ली और उसने सभी दलों की एक बैठक करके क्यों इसकी जानकारी व रायसुमारी नहीं की कि पाकिस्तान की ओर से यह प्रस्ताव है इस पर क्या करना चाहिए?

व्यापक सवालों के घेरे में घिर चुकी सरकार की सबसे ज्यादा किरकिरी तब होने लगी है जब देश के विदेश मंत्री ने अति उत्साह में आकर यह कह दिया कि उन्होंने पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई की जानकारी उन्होंने पहले ही पाकिस्तान को दे दी। कूटनीति जानकार इसकी आलोचना कर रहे हैं और अब बातें यहाँ तक पहुँच चुकी हैं कि प्रेक्षक शशि थरूर को विदेश मंत्री के रूप में देखने लगे हैं। वास्तव में, एस. जयशंकर ने 2019 से जब उन्होंने विदेश मंत्री का दायित्व संभाला है, कोई ऐसा मील के पत्थर जैसा कार्य नहीं किया और न ही भारत को कूटनीतिक स्तर पर कोई बड़ी सफलता मिली। ऐसे में सवाल उठाना लाजमी है। पूरा देश ऐसे में सुषमा स्वराज को एक बार पुनः स्मरण कर रहा है क्योंकि उनके जमाने में यदि कोई विदेशों में फंस गया तो वह खुद ट्विटर पर भी साझी की गयी सूचना के आधार पर एक्टिव होकर स्वयं किसी नतीजे पर पहुँचती थीं और पीड़ितों को सहयोग के लिए खुद फोन तक करती थीं। एस. जयशंकर के समय में यूक्रेन रूस युद्ध समस्या आने पर विद्यार्थियों के

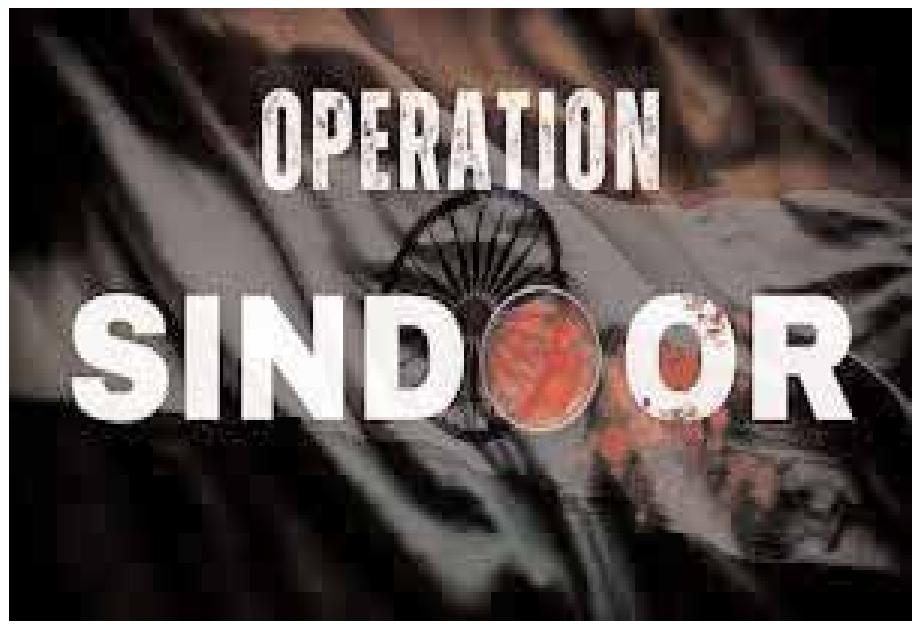

सहयोग को निकाल दिया जाए तो कोई महत्वपूर्ण सफलता कभी सुर्ख़ियों में नहीं आई। अब जो यह नया बवाल हुआ है कि सूचनाएं पहले कैसे विदेश मंत्री लीक कर सकते हैं, यह सवाल तो बड़ा है। विदेश मंत्री यह कह सकते हैं कि हम दुश्मनों को बताकर उनके कुकृत्यों का ज़वाब देते हैं लेकिन भारतीय डिप्लोमेसी के जानकार एस. जयशंकर के इस कृत्य को सही नहीं मान रहे हैं और उन्हें दोषी ठहरा रहे हैं।

भारतीय पड़ोसी देशों में भारत का संबंध बहुत अच्छा नहीं है। यह विदेश मंत्री का दायित्व होता है कि अपने पड़ोसियों में मैत्री कैसे स्थापित करे। विदेश मंत्री का यह भी दायित्व है कि वह दुनिया के जियो-पॉलिटिकल चेंजेज को समझे और उसमें देश को मजबूती स्थापित करे। भारत अभी तक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्य बनने की स्थिति को क्षमता को कम आंक सकती है।

अब जो उनके ऊपर विपक्ष ने सीधा प्रहार किया है और उन्हें इस्तीफा देने की मांग कर रहा है तो सरकार भी उन पर शक कर सकती है और उनकी भी एस. जयशंकर के कार्य अवधि में बहुत अच्छी प्रकार से नहीं रख सका है जबकि संयुक्त राष्ट्र के निवर्तमान अध्यक्ष चबा कोरोसी ने भारत की सदस्यता के लिए समर्थन भी किया था। यदि समेकित में देखा जाए तो एस. जयशंकर की कोई बड़ी उपलब्धि सरकार भी गिना पाने की स्थिति में नहीं है यद्यपि वह एक योग्य राजनयिक समझ रखने की क्षमता रखते हैं और विदेश सचिव की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

हाल ही में हुए सर्वदलीय संसदीय टीम के गठन जो कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक समर्थन जुटाने के इरादे से गठित की गयी उसमें शशि थरूर के अमेरिकी डेलीगेशन का नेतृत्व की जिम्मेदारी के बाद यह कयास लगा रही है की नरेंद्र मोदी सरकार जब भी रीसफलिंग आने वाले समय में मंत्रिपरिषद की करेगी उसमें शशि थरूर को विदेश मंत्री का दायित्व ऑफर कर सकती है। शशि थरूर इस दैय्त्व को सम्हाल भी सकते हैं क्योंकि उन्हें राष्ट्र की सेवा जो करनी है जिसकी पुष्टि उन्होंने अपने शिष्टमंडल में नेतृत्व के बाद बयान में उन्होंने किया भी है। फिलहाल स्थितियां के करवट लेंगी, यह तो आने वाला समय तय करेगा लेकिन भारत में ऑपरेशन सिंदूर के बाद की राजनीति व कूटनीति निःसंदेह कई ऐसे परिवर्तन की ओर बढ़ रही है जिसमें कुछ भी हो सकता है।

उतार-चढ़ाव का यह दौर पहलगाम में आतंकवादी घटना के बाद शुरू हुआ है जो निश्चय ही भारत की गतिशील अर्थव्यवस्था की होड़ को अब पीछे धकेलकर कुछ नए विमर्श के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। एस. जयशंकर इसमें पिसते ज़रूर नज़र आ रहे हैं। वैसे नरेंद्र मोदी सरकार में एस. जयशंकर प्रसाद अपनी अच्छी पकड़ रखते हैं। वह ईमानदार हैं। वह अच्छी छवि के हैं। उन पर सरकार और नरेंद्र मोदी का भरोसा भी है लेकिन हालात यदि करवट लेते हैं तो कुछ भी हो जाता है और कोई भी निर्णय सामने अपना अस्तित्व पाने लगते हैं। वैसे नरेंद्र मोदी बहुत एक झटके में एस. जयशंकर को पद से हटायेंगे, ऐसा लगता नहीं है क्योंकि विपक्ष की आलोचना-प्रत्यालोचना से यदि अपने विश्वसनीय को पद से हटाने लगें नरेंद्र मोदी तो विपक्ष तो हर तीसरे दिन एक नाम लेकर खड़ी मिलेगी और सरकार की नाक में दम कर देगी। ऐसे में जो सूझबूझ से भारतीय हित में हो सकता है उसे नरेंद्र मोदी सरकार को करना ही होगा। विश्व में जनमत स्थापित करने के बाद पाकिस्तान यदि अलग-थलग होता है और भारत कूटनीतिक स्तर पर सामरिक महत्व के भी टूल्स को ध्यान में रखकर आगे बढ़ता है तो निश्चय ही भारतीय विदेश नीति एक बार पुनः चमकेगी। एक अच्छी बात यह है की यह वैश्विक स्तर पर भारतीय कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करने की जिम्मेदारी एस. जयशंकर की है। बस उन्हें एहतियात बरतते हुए किसी और गलती से बचना होगा। उन्हें विश्व में जा रहे डेलीगेशन को कई स्तर पर मजबूती से भेजना होगा और उसका प्रचार-प्रसार ज्यादा न करके बल्कि भारत की आंतरिक मजबूती पाने की कोशिश करनी होगी। मीडिया में जितनी कम बातें आयें कूटनीति की इस पर ध्यान देना होगा नहीं तो दिमाग से खिसकी हुई भारतीय मीडिया भारत का बंटाधार कर देगी और उन्हें कई स्तर पर माफ़ी मांगने को या स्पष्टीकरण देने को विवश कर देगी।

एस. जयशंकर को कूटनीतिक पेंच में फंसने के लिए षड्यंत्र हैं लेकिन उनकी सूझबूझ उन्हें निकाल सकती है। बस उन्हें अपनी बौद्धिक व साहसिक प्रज्ञा का उपयोग करना है। भारत के लिए भी यही अच्छा है कि वह अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करे। विदेश नीति के लिए नई सोच विकसित करे। चीन, अमेरिका व टर्की की दुरूह डिप्लोमेसी को समझे। कोई भी सूचना को मीडिया में ज्यादा बहस के लिए न परोसे। यदि ऐसा होगा तो भारत में एस. जयशंकर चाहे मंत्री रहें या कोई दूसरा, उसे इसी प्रकार के षड्यंत्रों का शिकार होना पड़ेगा।

गर्भवती महिलाओं की जांच बनी चुनौती

मौसम

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

राजस्थान सहित देश भर में हीट वेव का प्रकोप शुरू हो गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से तेज गर्मी और हीट वेव को देखते हुए एडवाइजरी जारी की गई है। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि हीट वेव का सबसे अधिक प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर पड़ सकता है। हीट वेव पानी की कमी, थकावट और उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है, जिससे समय से पहले जन्म, कम वजन का बच्चा और भ्रूण विकास में समस्याएं हो सकती हैं। हीट वेव के कारण पानी की कमी से प्लेसेंटा में रक्त प्रवाह कम हो सकता है। इससे भ्रूण को आवश्यक पोषक तत्व और ऑक्सीजन नहीं मिल पाते हैं। यह समय से पहले प्रसव और कम वजन के बच्चे का खतरा बढ़ जाता है। एक अनुमान के मुताबिक, साल 2009 से 2022 के बीच हीट वेव के चलते देश में 6,751 लोगों की मौत हुई थी। वहीं एनडीएमए के मुताबिक, यह आंकड़ा 11,000 से अधिक है। इससे हीट वेव की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अब बात करते हैं राजस्थान की। यहां हीट वेव देश में सबसे अधिक प्रकोप दिखाता है। गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी से पहले लगातार जांच के लिए अस्पताल ले जाने का काम आंगनबाड़ी की आशा कार्यकर्ताओं के जिम्मे होता है। उन्हें अपना काम करने में काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ता है, क्योंकि गर्भवती महिलाएं गर्भधारण के शुरुआती महीनों में जांच कराने के लिए अस्पताल जाने में आनाकानी करती हैं। गर्मी में उन्हें यह काम झंझट का लगता है। आशा वर्कर्स बताती हैं कि 12 सप्ताह से पहले जांच कराने में गर्भवती महिलाओं से ज्यादा उनकी सास और परिवार के सदस्य आनाकानी करती हैं। उन्हें लगता है कि बहू को इतनी गर्मी में अस्पताल ले जाने में दिक्कत बहुत है। आशा वर्कर्स जैसे-तैसे गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले भी आती हैं, तो डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को उन्हें हीट वेव से बचाव के लिए अधिक समझाना पड़ता है। इसके साथ ही उनके परिवार की भी काउंसलिंग करनी पड़ रही है।

आशा वर्कर रेखा जोशी का कहना है कि गर्मियों में आठ सप्ताह तक तो अधिकतर गर्भवती महिलाएं अपनी स्थिति के बारे में बताती ही नहीं हैं। उन्हें गर्मियों में चेकअप कराना एक मुसीबत जैसा लगता है। उनको लगता है कि कौन गर्मी में बाहर निकलेगा और अस्पताल के चक्कर लगाएगा। हम बड़ी दिक्कतों से उन्हें अस्पताल लेकर आते हैं। उनके पति और सास को बहुत समझाना पड़ता है, तब जाकर वे अस्पताल आने के लिए तैयार होती हैं।

इसी तरह आशा वर्कर ज्ञानबती शर्मा का कहना है कि हीट वेव के दौरान गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक गर्मी लगती है। उन्हें इससे बचाना हमारी पहली प्राथमिकता होती है। प्रत्येक महीने में उनकी चार बार जांच होती है। गर्मियों में उनमें हीमोग्लोबिन कम होता है और आयरन तथा कैल्शियम की कमी होती है, जिसके लिए जांच कराना और दवाएं दिलवाना हमारे जिम्मे होता है। ज्ञानबती कहती हैं कि हीट वेव से गर्भवती महिलाओं को बचाने के लिए हम खीरा, तरबूज, खरबूजे जैसी ठंडी चीजें खाने की सलाह देते हैं। इसके साथ ही जूस, नारियल पानी और छाछ पीने की कहने पर भी हमारा जोर होता है। उनका कहना है कि हीट वेव के दौरान गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाना और उनकी जांच एवं टीकाकरण कराना बहुत कठिन काम है। गर्भवती महिलाओं की लगातार जांच व टीकाकरण के लिए उनके परिवार को समझाना भी बहुत मुश्किल काम होता है।

बस्सी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी के मौसम में कुछ दिन पहले बच्ची को जन्म देने वाली दौसा के लवाण की निवासी 23 वर्षीय मोनू कुमारी सैनी का कहना है कि यह मेरा पहला बच्चा है। गर्मी के दौरान मुझ चक्कर आने, पानी की कमी और कमजोरी जैसे लक्षण महसूस हुए। बच्ची को जन्म देने के बाद अब सब कुछ ठीक है। अस्पताल में स्टाफ ने पूरा ध्यान रखा। वहीं बस्सी के नयागांव की 21 वर्षीय धोली मीणा ने हाल ही में अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया है। उसका पहला बच्चा 12 महीने का है। उनका कहना है कि गर्मी के मौसम में यात्रा करने में बहुत दिक्कत होती है। बार-बार प्यास लगती है। बच्चे को जन्म देने से पहले मुझे कमजोरी और चक्कर आने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे थे। अस्पताल में भर्ती होने और बच्चा होने के बाद अब मैं बिल्कुल स्वस्थ महसूस कर रही हूं। अब कोई दिक्कत नहीं है।

मेडिकल इंचार्ज डॉ. विजेंद्र सिंह मीणा का कहना है कि हीट वेव से निपटने के लिए हम मेडिकल स्टाफ को ट्रेनिंग दे रहे हैं, उन्हें जरूरी एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं। हीट वेव में अधिक प्यास लगना, सिर दर्द और चक्कर आना, त्वचा का सूखना, शरीर का तापमान अधिक होना, जी मिचलाना व बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। हीट वेव का सबसे अधिक असर कुपोषित बच्चों, बुजुर्गों एवं गर्भवती महिलाओं पर होता है। हमने सभी वार्डों में कूलर, पंखे, ठंडा पानी, ओआरएस व आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की कोशिश की है। स्टाफ को सतर्क रहने को कहा गया है। हीट वेव से पीड़ित रोगी के तुरंत इलाज करने के भी निर्देश दिए गए हैं। हम गर्भवती महिलाओं को तेज धूप में जाने से बचने और कोई भी लक्षण महसूस होने पर तुरंत अस्पताल आने की सलाह दे रहे हैं।

वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि गर्भावस्था के दौरान हीट वेव के संपर्क में आने से गर्भवती महिलाओं में कई जोखिम उत्पन्न होने की संभावना होती है। इनमें उच्च रक्तचाप, दौरे के साथ उच्च रक्तचाप (एक्लेमप्सिया), गर्भाशय से रक्तस्राव तथा गर्भाशय ग्रीवा का बहुत जल्दी खुल जाना, जिससे समय से पूर्व बच्चे के जन्म का जोखिम बढ़ जाता है। हीट वेव से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ सकता है, जो गर्भावस्था के लिए एक जटिलता है। हीट वेव के कारण गर्भाशय में रक्त प्रवाह कम हो सकता है, जिससे गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है। वहीं अत्यधिक गर्मी के संपर्क में लंबे समय तक रहने से गर्भवती महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, जिससे चिड़चिड़ापन, चिंता और अवसाद बढ़ सकता है।

एक्सपर्ट गर्भवती महिलाओं को हीट वेव से बचने के लिए कुछ सुझाव देते हैं। इसमें शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। अपने घर को ठंडा रखें और गर्मी के दौरान अनावश्यक बाहर निकलने से बचें। ढीले और हल्के रंग के कपड़े पहनें। ऐसे कपड़े गर्मी को कम अवशोषित करते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं। जब तक आवश्यक न हो, धूप के संपर्क में आने से बचें। गर्मी से संबंधित बीमारियों के लक्षणों के प्रति सचेत रहें। ऐसे कोई भी लक्षण महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। एक्सपर्ट हीट वेव के खिलाफ महिलाओं के शरीर को मजबूत बनाने के लिए योग, व्यायाम और पौष्टिक आहार की भी वकालत करते हैं। वहीं जलवायु परिवर्तन के चलते लगातार बढ़ रही हीट वेव से बचाव के लिए सभी सरकारों को समाधान के अधिक प्रयास करने की जरूरत पर भी जोर देते हैं।

खलिया टॉप और ज़ीरो पॉइंट् की अविस्मरणीय ट्रैकिंग

यात्रा संस्मरण

मोहन वर्मा

लेखक पत्रकार हैं।

इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि पर्यटन-यात्राएं हमें उत्साह और ऊर्जा से तो भरती ही है देश विदेश की अनदेखी जगहों को देखने का, विभिन्न लोगों से मुलाकात का और नई जगहों की संस्कृति को देखने समझने का अवसर भी देती है। अपनी यायावरी के चलते अमरनाथ,बद्रीनाथ,गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, हिमाचल प्रदेश,लेह-लद्दाख, सिक्किम के अलावा इधर राजस्थान, महाराष्ट्र की कई जगहों के अलावा सुदूर विदेश में बैंकाक और कनाडा को भी नापने का अवसर मिलता रहा।

इधर कुछ समय से एक यात्रा समूह 'युथ हॉस्टल' से जुड़ने के बाद फ़रवरी में जैसलमेर राजस्थान के अब तक अनदेखे सांस्कृतिक महाउत्सव का आनंद लेने का अवसर मिला तो इस बार ट्रैकिंग के लिये प्रसिद्धउत्तराखंड के मुन्शीयारी क्षेत्र के खलिया टॉप और ज़ीरो पॉइंट् में ट्रैकिंग का आनंद लिया। समूह के सदस्यों के 15-15 लोगों के 05 बैच के देश केविभिन्न क्षेत्रों के 75 से अधिक पर्यटकों ने इस बार 10 से 18 मई तक खलिया टॉप और ज़ीरो पॉइंट् में ट्रैकिंग का अविस्मरणीय अनुभव बटोरा।

उत्तराखण्ड के कुमाऊँ क्षेत्र में काठगोदाम से 300 किलोमीटर उपर मुन्शीयारी के ट्रैकिंग बेल्ट में खलिया टॉप और ज़ीरो पॉइंट् 13500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है जहाँ की ट्रैकिंग के लिये पर्यटकों को ईको पॉइंट में तंबुओं में रात गुजारने के बाद पहली चढ़ाई यौ तो तीनकिलोमीटर की ही करनी थी जो भुजानी कैंप तक पहुँचने के लिये थी मगर इस तीन किलोमीटर की खडी चढ़ाई में ही तीन से चार घंटे लगे क्योंकि चढ़ाई खड़ी थी।

यों तो मुन्शीयारी ईको पॉइंट के बैस कैंप में पहुँचते ही 3-4 डिग्री तापमान की तेज ठंडी हवाओ ने हमारा स्वागत इस तरह किया कि हम मालवा के 40 डिग्री तापमान को भूल गए और सबसे पहले सिर पर मफलर लपेटा और गर्म जैकेट बदन पर डाली। कैंप में रात तंबू में गुजरी। दूसरे दिन एक आसपास छोटा ट्रैक किया और मुन्शीयारी घूमने निकले,जहाँ माता मंदिर और संग्रहालय में सहेजी हुई कुमाऊँ संस्कृति की धरोहरों से रूबरू हुए। पहाड़ों में अचानक आई तेज बारिश और औलो के बीच वापस अपने कैंप के लिये भागे क्योंकि यहाँ मौसम कब बेवफ़ा हो जाये कहा नहीं जा सकता।

तीसरे दिन सुबह नौ बजे समूह ने भुजानी कैंप तक तीन किलोमीटर की चढ़ाई की ट्रैकिंग शुरू की और एक बजे गंतव्य पर पहुँचे जहाँ पहुँचते ही पहाड़ों की तेज ठंडक ने स्वागत किया। शाम होते होते 3-4 डिग्री की ठंडी हवाओं के बीच फिर तंबुओं में रात

गुजरी। चौथे दिन सुबह सात बजे खलिया टॉप और जीरो पॉइंट की कठिन चढ़ाई शुरू हुई। हालांकि मंज़िल 2.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर ही थी मगर खड़ी चढ़ाई चढ़कर जब मंजिल पर पहुँचे तो आनंद आ गया क्योंकि आसपास से नजर आते ग्लैशियर और हिमाच्छादित आसमान ने थकान होने ही नहीं दी।

जीरो पॉइंट् पर तिरंगा फहरा कर और राष्ट्र वंदना कर वापस भुजानी कैंप में समय रहते लौट आए क्योंकि बारिश ने और बदलते मौसम ने असर दिखाना शुरू कर दिया था। कुल जमा 13500 फीट ऊँचे इस ट्रैक को करना एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

वाकई उत्तराखण्ड की पहाडियों के बीच प्रकृति से रूबरू होना ऊर्जा से तो भर ही देता है,मगर हिमालय दर्शन,हिमाच्छादित आसमान, 35-40 डिग्री तापमान से निकल कर आए मनक को ऐसी ठंडक से भर देते है कि पर्यटक पहाडी ठंडक के साथ जेहन में खुशनुमा यादें लेकर लौटता है जैसे हम लौटे...

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अशोक गौतम

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जय डोनाल्ड अभिमान गुण सागर

हे माइ लॉर्ड ट्रंप जी! तुम गुरु नहीं, नाउएडेजी विश्वगुरु हो। कोई माने या न! पर मैं तुम्हारी गुरुता का गोहा मानता हूं।

अब रही मेरे गुरु होने की बात डोनाल्ड ट्रंप जी! तो मैं पिछले बीस सालों से कांट्रेक्ट पर चला गुरु हूं साहब! अब आप ही बताओ! कांट्रेक्ट वाला गुरु क्या किसी भले चंगे को उल्लू बनाए, क्या किसी भले चंगे को गधा बनाए। मुझ कांट्रेक्टी गुरु को तो दिनरात यही डर सताता रहता है कि कहीं अगले दिन बिन कारण बताए सरकार मेरा देश को विश्वगुरु बनाने का कांट्रेक्ट खत्म न कर दे।

मैं तो मात्र मथा टेक गुरु हूं परमादरणीय डोनाल्ड ट्रंप जी! मैं तुम्हारी गुरुता के आगे पानी तो छोड़िए, तुम्हारे आदेश के बिना सांस भी नहीं भर सकता। इसलिए बस, अपनी एक्स विश्वगुरुता का स्मरण करता जब भी रोटी कमाने से फुर्सत मिलती है, अपने सुनहरे अतीत को याद कर जरा अघाए लेता हूं। अपनी बेकार की गुरुता पर इतराए लेता हूं। अपने गुरुडम को बनाए बचाए रखने के लिए अपनी पीठ खुद ही थपथपाए लेता हूं। अपने भीतर के अथाह अज्ञान को तनिक दबाए लेता हूं। पर मेरे भीतर का अकूटनीतिज्ञ ज्ञान है कि जितना मैं इसको कूटता हूं, वह उतना ही मुझे पीटता है।

परमादरणीय डोनाल्ड ट्रंप जी! जिसके पास अपना सुनहरा वर्तमान न हो, उसे अपने सुनहरे अतीत का स्मरण कर अपने को बहलाने का पूरा संवैधानिक अधिकार होता है।

हे नाउएडेजी विश्वगुरु! अपुन विश्वगुरु जब थे, तब थे। आज तो हम परीक्षा भवन में परीक्षार्थियों से डर उनको खुली नकल करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम परीक्षार्थियों से पैसे ले उनको पास करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम अपने किसी शोध छात्र का शोध अपने नाम से प्रकाशित करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम क्लास में गप्पें मार ,घर में पूरी क्लास को ट्यूशन पढ़ाने वाले गुरु हैं। आज तो हम अपनी योग्यता को भूल औरों के बच्चों को सरकारी स्कूल और अपने अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने वाले गुरु हैं। आज तो हम अपना मनवांछित स्टेशन का पाने के लिए किसीके भी पांवों में नाक रगड़ने वाले गुरु हैं। आज तो हम पढ़ाने के बदले नेताओं के आगे पीछे पूंछ हिलाने वाले गुरु हैं। आज तो हम सरकार से अपना ड्यू अनड्यू पाने के लिए कहीं भी हाथ जोड़ने वाले गुरु हैं। आज तो हम बोर्ड के कार्यालय में जा फेल को पास और पास को फेल करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम पैसे लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम मिल मिलाकर मैरिट लिस्ट बदलवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम गधे को घोड़ा और घोड़े को गधा बनाने वाले गुरु हैं। आज तो हम आगे बढ़ने वाले होनहार छात्रों को सबसे पीछे लाने वाले गुरु हैं।

अपुन में इतनी खासियतें होने के बाद भी मैं जो अपने को गुरु मानता रहूं तो मानता रहूं। तोतों की तरह नैतिकता का पाठ रटने से कोई विश्गुरु नहीं बन जाया करते। डोनाल्ड टंऊ साहब! शास्त्र रटने के बदले जो शस्त्र पढ़ते हैं, वही विश्गुरु होते हैं।

हे डोनाल्ड ट्रंप जी! विश्वगुरु वही जो धरा पर अशांति फैलाने के साथ साथ शांति का पाठ पढ़ाए। विश्वगुरु वही जो अपनी इगो के लिए समस्त मानवता को दाव पर लगाए। विश्वगुरु वही जो दो युद्ध करने वालों में से एक को युद्ध का सामान खरीदने के लिए आइएमएफ से फंड दिलवाए और दूसरे को संयम रखने का पाठ पढ़ाए।विश्वगुरु होने के लिए कृत्य नहीं, जघन्य कृत्य करने पड़ते हैं जनाब! नैतिकशास्त्र से हटकर नृत्य करने पड़ते हैं जनाब! यों ही सदाचारियों को विश्गुरु का आसन्न आसन नहीं मिल जाया करता जनाब!

सो हे नाउएडेजी विश्वगुरु! तुम्हारे चरणों में लघु गुरु का पुःन कोटि कोटि साष्टांग प्रणाम! तुम्हीं इस धरा पर विश्वशांति पुरस्कार के जेनुइन हकदार हो।

पर्यावरण

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

अमरावती मॉडल देगा दुनिया के देशों को नई दिशा

अपने आप में यह दुनिया के लिए ग्रीन एनर्जी के सपने को अमलीजामा पहनाने की बड़ी, महत्वाकांक्षी और दुनिया के देशों के लिए प्रेरणीय पहल मानी जानी चाहिए। कोई इसे इतिहास रचने की बात करता है तो कोई ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी और रचनात्मक पहल के रुप में देख रहे हैं। कहा जाए तो दुनिया के देश जिस तरह से ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और जिस तरह से बड़े बड़े शिखर सम्मेलनों के साझा घोषणा पत्रों में घोषणाएं होती है उससे अलग हटकर आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू की इस पहल को माना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस परियोजना की आधारशिला रखने जा रहे हैं। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र की नई राजधानी की आधारशिला रखी जाएगी तो ग्रीन एनर्जी का यह प्रोजेक्ट 217 वर्गमीटर को समाये हुए होगा।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए जहां दुनिया के देशों में टुकड़ों-टुकड़ों में काम हो रहा है वहीं आंध्रप्रदेश की नई राजधानी अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने काम भी शुरु कर दिया है। अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने में करीब करीब 65 हजार करोड़ रुपए की लागत आयेगी और सोलर, पवन और जल विद्युत पर आधारित इस परियोजना में अमरावती में उपयोग आने वाली सारी बिजली रिन्यूवल एनर्जी स्रोत से ही प्राप्त होगी। सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली जीवाश्म ऊर्जा का अमरावती में नामोनिशान नहीं होगा।

अपने आप में यह दुनिया के लिए ग्रीन एनर्जी के सपने को अमलीजामा पहनाने की बड़ी, महत्वाकांक्षी और दुनिया के देशों के लिए प्रेरणीय पहल मानी जानी चाहिए। कोई इसे इतिहास रचने की बात करता है तो कोई ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी और रचनात्मक पहल के रुप में देख रहे हैं। कहा जाए तो दुनिया के देश जिस तरह से ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और जिस तरह से बड़े बड़े शिखर सम्मेलनों के साझा घोषणा पत्रों में घोषणाएं होती है उससे अलग हटकर आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू की इस पहल को माना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस परियोजना की आधारशिला रखने जा रहे हैं। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र की नई राजधानी की आधारशिला रखी जाएगी तो ग्रीन एनर्जी का यह प्रोजेक्ट 217 वर्गमीटर को समाये हुए होगा। अमरावती को पूरी तरह ग्रीन एनर्जी युक्त दुनिया का पहला शहर बनाने के लिए 2050 तक की मांग का आकलन कर लिया गया है करीब 2700 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता होगी। इसमें स 30 प्रतिशत सोलर और पवन आधारित उर्जा होगी तो 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन पनबिजली आधारित होगी।

ग्रीन एनर्जी के चार प्रमुख स्रोत है। इसमें सूर्य की गर्मी आधारित सोलर ऊर्जा, हवा के झोकों पर आधारित पवन ऊर्जा, जल आधारित पन बिजली परियोजना और भूगर्भ के ताप आधारित भूतापीय ऊर्जा को रिन्यूवल एनर्जी के नाम से जाना जाता है। इसमें प्रमुखता से सोलर, पवन और पन बिजली को लिया जाता है। दरअसल जीवाश्म आधारित उर्जा जिसमें प्रमुखतः कोयला व लिग्नाइट का प्रयोग होता है उसके चलते जलवायु में तेजी से परिवर्तन हुआ है और आज दुनिया के देश तापमान वृद्धि को 1.5 प्रतिशत तक रखने के लिए जूझ रहे हैं। 2 प्रतिषत वृद्धि दर को डेढ प्रतिशत लाना टेड़ी खीर बना हुआ है। पेरिस घोषणा के अनुसार दुनिया के देशों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है अन्यथा जलवायु परिवर्तन के जिस तरह के परिणाम हम आये दिन देखने लगे हैं जिसमें तापमान में बढ़ोतरी, ग्लेशियरों का सिकुड़ना, अनपेक्षित मौसम चक्र कभी तेज गर्मी तो कभी तेज सर्दी और कभी तेज बरसात। आंधी तूफान, जंगलों में दावानल, तूफानों चक्रवातों के नए नए रुप और बार बार आवृति हमारे सामने हैं। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट आ गया है तो जंगलों के दावानलों का असर आसपास के शहरों खासतौर से अमेरिकी शहरों में देखा जा चुका है। सूखा और बाढ़ आम होती जा रही है तो दवाओं के बेअसर होने और संक्रामक रोगों की बढ़ोतरी सामने हैं। दुनिया के देश खासतौर से मौसम विज्ञानी इन हालातों को लेकर चिंतित है और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को सीमित करने के उपायों को लेकर प्रयासरत है। हालांकि इसमें सरकारों की ईच्छा शक्ति, संसाधन, आर्थिक सामाजिक हालात के साथ ही विकसित देशों द्वारा खुले दिल से सहयोग नहीं करना बड़ा कारण बनता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से दुनिया के देश सावचेत नहीं हो। बल्कि इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों को लेकर रेंकिंग भी जारी होने लगी है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन रेकिंग में भारत दसवें स्थान पर है हांलाकि यह इससे पहले के साल की तुलना में रेंकिंग पिछड़ी है। मजे की बात यह है कि हालिया सूचकांक के विश्लेषण से साफ हो जाता है कि आज भी इस सूचकांक को एक से तीन नंबर की रेंकिंग वाले देश की प्रतीक्षा है। रेकिंग में डेनमार्क शीर्ष पर है और उसका चौथे स्थान है। नीदरलैंड, इंग्लेण्ड, फिलिपिन्स, मोरक्को, नार्वे क्रमशः है तो भारत दसवें स्थान पर है। देश में रिन्यूवल एनर्जी की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। गुजरात के कांडला सेज को पूरी तरह से हरित औद्योगिक क्षेत्र बनाया गया है तो तमिलनाडू के महाबलीपुरम के शोर मंदिर को ग्रीन एनर्जी पुरातात्विक स्थल के रुप में पहचान मिल चुकी है। डेनमार्क का कोपेनहेगेन भी इसी श्रेणी में आता है। आस्ट्रेलिया का एडिलेड, कोरिया का सियोल, आइवरकोस्ट का कोकोडी, स्वीडन का मालमो और दक्षिणी अफ्रीका का केपटाउन ग्रीन एनर्जी की दिशा में बढ़ते हुए शहरों में से हैं। गुजरात के कांडला सेज में 1000 एकड में साढ़े तीन लाख पेड़ लगाया गया है। समुद्र के नमक के पानी से प्रभावित क्षेत्र को जलवायु की दृष्टि से करीब करीब बदल ही दिया गया है।

अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा। पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी का ही उपयोग होगा। हांलाकि यह अपने आप में चुनौतीभरा काम होगा पर ईच्छा शक्ति और कुछ नया करने की भावना से आगे बढ़ा जाता है तो फिर कोई कार्य असंभव नहीं होता है। हांलाकि केन्द्र व राज्य सरकारे अक्षय ऊर्जा के इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान रिन्यूवल एनर्जी उत्पादन के क्षेत्र में समूचे देश में आगे है और भड़ला पार्क जैसे सोलर पार्क यहां विकसित हो चुके हैं। सरकार अब घरों की छतों पर सोलर एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है तो खेती में सोलर पंपों और अन्य कार्यों में उपयोग सकारात्मक प्रयास माने जा सकते हैं। पर अमरावती इन सबसे अलग इसलिए हो जाती है कि यहां समग्रता से प्रयास करते हुए समूचे शहर को ग्रीन एनर्जी युक्त बनाया जा रहा है यह सराहनीय होने के साथ ही प्रेरक भी है।

टीवी पत्रकारिता की काँव-काँव

मुद्दा

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

हम लोगों को खबर नहीं एक एजेंडा परोस रहे हैं, जिसमें दुर्गन्ध और सड़ांध है। हमने पेशागत ईमानदारी खो दिया है। बदली पत्रकारिता के सामने चुनौतियां बेशुमार हैं लेकिन साफ सुथरी छबि नहीं है। हम मूलरूप से टीवी पत्रकारिता की बात कर रहें हैं। वह मिशन नहीं कारपोरेट की तरह काम कर रही है। दुनिया में भारत शायद पहला देश है जहाँ मीडिया को एक विशेष नाम से सम्बोधित किया जा रहा है पत्रकारिता के नैतिक पतन की इससे बड़ी कोई मिशाल नहीं हो सकती। भारत-पाक युद्ध के दौरान जिस तरह इन्होंने बदबू फैलाई वह किसी से छुपा नहीं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अपनी विश्वस्नीयता खो रहा है। अपने आप में यह ज्वलंत मुद्दा है।

भारत में पत्रकारिता तकनीकी रूप से संवृद्ध और मजबूत हुई है, लेकिन पेशागत नैतिकता, पारदर्शिता और निष्पक्षता की बात करें तो पत्रकारिता का नैतिक पतन हुआ है। हमने पत्रकारिता को बाजारवाद में झोंक दिया है। हम लोगों को खबर नहीं एक एजेंडा परोस रहें हैं, जिसमें दुर्गन्ध और सड़ांध है। हमने पेशागत ईमानदारी खो दिया है। बदली पत्रकारिता के सामने चुनौतियां बेशुमार हैं लेकिन साफ सुथरी छबि नहीं है। हम मूलरूप से टीवी पत्रकारिता की बात कर रहें हैं। वह मिशन नहीं कारपोरेट की तरह काम कर रही है। दुनिया में भारत शायद पहला देश है जहाँ मीडिया को एक विशेष नाम से सम्बोधित किया जा रहा है पत्रकारिता के नैतिक पतन की इससे बड़ी कोई मिशाल नहीं हो सकती। भारत-पाक युद्ध के दौरान जिस तरह इन्होंने बदबू फैलाई वह किसी से छुपा नहीं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अपनी विश्वस्नीयता खो रहा है। अपने आप में यह ज्वलंत मुद्दा है।

टीवी डिबेट में अर्थ, मुद्दे और सरोकार गायब हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में अस्सी फीसदी युद्ध हमारी पत्रकारिता ही लड़ रही है बाकि हमारी फ़ौज पीछे छूट गई है। टीवी डिबेट में सिर्फ काँव-काँव है। जब भारत सरकार ने पाकिस्तान से राजनयिक, आर्थिक और व्यापारिक सम्बंध तोड़ दिए हैं फिर पाकिस्तानी लोगों को टीवी डिबेट में बुलाने की क्या आवश्यकता है। इस निर्थक डिबेट से क्या हासिल होने वाला है। अखाड़े में लड़ने उतरा पहलवान क्या सामने वाले पहलवान से अपनी कमजोरी का कभी उल्लेख कर सकता है। टीवी डिबेट में पाकिस्तानियों को नहीं शामिल किया जाना चाहिए। क्योंकि इस तरह की डिबेट टीआरपी भले बढ़ाए, लेकिन देश का नुकसान करती है। वैश्विक स्तर की बात करें तो भारतीय मीडिया दुनिया के 180 देशों में 159 वें पायदान से लुढ़क कर 151वें पर पहुँच गई है। यह हम नहीं कहते विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2025 पर जारी 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' की रिपोर्ट कहती है। काँव-काँव छोड़िए पत्रकारिता की विश्वस्नीयता बचाइए।

'ऑपरेशन सिंदूर' में गोंडावण पक्षी शिशुओं की अग्नि परीक्षा

डॉ. तेजप्रकाश पूर्णानन्द व्यास

(प्रसिद्ध जीव वैज्ञानिक एवं पूर्व प्राचार्य)

प्रभाग 1

भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण गतिरोध की चपेट में आने वालों में नौ नवजात महान भारतीय गोडावण के बच्चे भी शामिल थे, जिनकी उम्र पाँच से अट्ठाईस दिन के बीच थी।

इन दुर्लभ पक्षियों को प्रारंभ में जैसलमेर के रामदेवरा गोडावण संरक्षण केंद्र और साम प्रजनन एवं संरक्षण केंद्र में रखा गया था। ये दोनों केंद्र भारत-पाक सीमा के निकट स्थित हैं, जो उस समय बंदूकधारी हमलों और तोपों की गोलाबारी की चपेट में आ गए थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इन अत्यंत संकटग्रस्त (Critically Endangered) श्रेणी में आने वाले पक्षी बच्चों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुँचाना पड़ा।

इन नाजुक जीवों को एक लंबी यात्रा करवाई गई – जैसलमेर से अजमेर के अरवर गाँव स्थित एक नए केंद्र तक, जहाँ उन्हें पूरी तरह अलग, सुरक्षित और संरक्षित वातावरण में पहुँचाया गया है।

साम सीमा से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर है, जबकि रामदेवरा लगभग 225 किलोमीटर दूर स्थित है। इन नवजात गोडावण बच्चों ने लगभग 10 घंटे की यात्रा में 200 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की।

अजमेर का यह नया केंद्र एक और संकटग्रस्त पक्षी – लेसर फ्लोरिकन, जो कि गोडावण परिवार का सबसे छोटा सदस्य है – का भी सुरक्षित आश्रय स्थल है। यह अभियान न केवल वन्य जीवन संरक्षण की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, बल्कि यह दर्शाता है कि भारत की सीमाओं पर रहने वाले प्राणियों की रक्षा भी हमारे राष्ट्रीय दायित्व का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण अंग है।

प्रभाग 2

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड- विलुप्ति की कगार पर खड़ा घासभूमि का गौरव पक्षी। भारतीय उपमहाद्वीप में पाए जाने वाले कुछ अद्भुत और दुर्लभ पक्षियों में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। यह विशालकाय, सौम्य और गरिमामय पक्षी भारतीय घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है। दुर्भाग्यवश, आज यह पक्षी 'विलुप्तप्राय' श्रेणी में पहुँच चुका है और इसकी जनसंख्या दिन-ब-दिन घटती जा रही है।

1.ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का वैज्ञानिक नाम Ardeotis nigriceps है। यह पक्षी बस्टर्ड कुल (Otididae) से संबंधित है, जिसमें दुनिया भर में पाए जाने वाले शुष्क-मैदानों के कई अन्य पक्षी भी शामिल हैं।

2. यह एक बड़ा, भारी-भरकम पक्षी है जिसकी ऊँचाई लगभग 1 मीटर तक होती है और वजन 15 किलोग्राम तक हो सकता है। नर मादा से बड़ा होता है। सिर पर काली टोपी, गर्दन और अंडरपार्ट्स सफेद, और पीठ भूरे रंग की होती है। इसकी गर्दन लंबी, टाँगें पतली और लंबी होती हैं, जिससे यह मैदान

में आसानी से चल फिर सकता है। उड़ान के समय इसके पंख सफेद और भूरे रंग के मिश्रण से आकर्षक लगते हैं।

3.यह पक्षी खुले, शुष्क घास के मैदानों, झाड़ीदार क्षेत्रों और अर्ध-रेगिस्तानी भूभागों में पाया जाता है। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, और कर्नाटक में इसकी उपस्थिति रही है। यह दिन के समय सक्रिय रहता है और सुबह-संध्या अधिक चलायमान होता है। यह पक्षी बहुत सतर्क होता है, थोड़ी सी भी आहट से सचेत हो जाता है।

4. ग्रेट इंडियन बस्टर्ड सर्वाहारी होता है।

इसका आहार कीट-पतंगे, टिड्डे, बीटल, घास की जड़ें, बीज, छोटे साँप, छिपकली और फल आदि होते हैं। फसल क्षेत्र के निकट भी यह देखा जाता है, जहाँ यह चना, मूंगफली, बाजरा आदि खा लेता है।

प्रवसनः यह स्थानिक (resident) पक्षी है, लेकिन स्थानीय प्रवासन (local migration) करता है। भोजन और प्रजनन के लिए यह मौसम अनुसार स्थान बदलता रहता है। कभी-कभी यह 100-200 किमी तक की दूरी तय करता है।

5. इसका प्रजनन काल जून से सितंबर (मानसून) तक होता है। नर पक्षी खुले मैदान में एकांत में नृत्य करता है और अपनी गर्दन फुलाकर विशेष ध्वनि निकालता है जिससे मादा को आकर्षित किया जा सके। मादा ज़मीन पर एक खड्डा बनाकर उसमें केवल एक अंडा देती है। मादा ही अंडा सेती है और चूजे की देखरेख करती है। चूजा जन्म के कुछ दिनों में ही चलना और भोजन खोजने लगता है।

6. आज इस पक्षी की कुल संख्या भारत में लगभग 150 से भी कम रह गई है। यह सबसे अधिक राजस्थान के डेजर्ट नेशनल पार्क (जैसलमेर) में पाया जाता है।

मुख्य संकटः बिजली की ऊँची लाइनों से टकराकर मृत्यु, आवास (घासभूमि) का विनाश, अवैध शिकार, अतिक्रमण और खेती का विस्तार, पशुओं की अधिक चराई तथा औद्योगिकीकरण और सौर ऊर्जा परियोजनाएँ।

7. राजस्थान सरकार द्वारा 'प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' प्रारंभ किया गया।

डेजर्ट नेशनल पार्क, जैसलमेर - प्रमुख संरक्षण क्षेत्र।

मुद्रास्फीति-संवेदनशील संरक्षण योजनाः

कृत्रिम रूप से अंडों का सेचन और चूजों की सुरक्षित परवरिश। भारतीय वन्यप्राणी संस्थान देहरादून द्वारा निगरानी। पावर लाइन मिटीगेशन के तहत बर्ड डाइवर्टर लगाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने 2020 में इसे 'National Conservation Priority' प्रजातियों में शामिल किया। यह राजस्थान का राज्य पक्षी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में इसे सौभाग्य और शांति का प्रतीक माना जाता है। कभी यह भारत के सबसे आम मैदान पक्षियों में से एक था, आज इसके संरक्षण की आवश्यकता जन आंदोलन बन चुकी है। यह जैव विविधता को संतुलित करने में सहायक है। कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड भारत की प्राकृतिक विरासत का एक अनमोल रत्न है। यह केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि उस पारिस्थितिकी का प्रतिनिधि है, जो आज विलुप्ति की ओर अग्रसर है। यदि हमने इसे नहीं बचाया, तो आने वाली पीढ़ियों को हम केवल इसकी तस्वीरें और कहानियाँ ही दे सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल से हडको सीएमडी श्री कुलश्रेष्ठ ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से मंत्रालय, भोपाल में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुलश्रेष्ठ ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, वर्तमान में संचालित

अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों की अधोसंरचना के उन्नयन, तथा आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। हडको चेयरमैन श्री कुलश्रेष्ठ ने इन परियोजनाओं के लिए ऋण सहायता प्रदान करने एवं तकनीकी परामर्श देने की इच्छा व्यक्त की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए सभी आवश्यक संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हडको की प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण के प्रयासों में यह सहभागिता महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

डॉ. जवाहर कर्णावट त्रिनिदाद-टोबेगो,कनाडा और सूरीनाम में व्याख्यान देंगे

भोपाल। प्रदेश के प्रखर वक्ता, लेखक तथा भारत सरकार द्वारा विश्व हिंदी सम्मान से अलंकृत डॉ. जवाहर कर्णावट को दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के देश त्रिनिदाद-टोबेगो में भारतीयों के आगमन के 180 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित सम्मेलन में विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। त्रिनिदाद की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन में नेशनल काउंसिल आफ इंडियन कल्चर

द्वारा 30 मई से 1 जून 25 तक आयोजित सम्मेलन में डॉ. कर्नावट 'भारतीय संस्कृति और भाषाओं के प्रसार में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय पर व्याख्यान देंगे। इस सम्मेलन में दक्षिण अमेरिका के अलावा एशिया और अफ्रीका के अनेक देशों के विद्वान भी सम्मिलित होंगे । इस सम्मेलन के पूर्व डॉ. कर्नावट 24 मई 2025 को हिंदी राइटर्स गिल्ड कनाडा द्वारा टोरंटो में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किए जाएंगे। आप सूरीनाम के भारतीय दूतावास स्थित स्वामी विवेकानंद केंद्र द्वारा 26 जून को आयोजित पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में भी विशिष्ट अतिथि होंगे ।डॉ.कर्नावट गयाना की शैक्षणिक यात्रा भी करेंगे।

सैनिक परिवार की माताओं का सम्मान आज

भोपाल। भोपाल की मातृशक्ति 20 मई को महाराणा प्रताप नगर, डीबी मॉल के सामने से शौर्य स्मारक तक शाम 5:30 बजे ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में भारत भक्ति यात्रा निकालकर सेना के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करेगी। जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल मानवेंद्र सिंह जी उपस्थित रहेंगे।

इस कार्यक्रम में बीते दिनों पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बहनों के सिंदूर उजाड़ने वालों को ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सबक सिखाने वाली साहसी सेना का आभार व्यक्त किया जाएगा। इसके साथ ही सैनिक परिवारों की माताओं का सम्मान भी किया जाएगा। इस यात्रा में शहर का सर्व समाज का प्रबुद्धजन मातृशक्ति शामिल होकर समाज में एकता, सामंजस्य एवं सौहार्द का संदेश देंगी।

भारत भक्ति यात्रा निकालकर सेना को धन्यवाद देगा भोपाल

भोपाल। भोपाल की मातृशक्ति 20 मई, मंगलवार को महाराणा प्रताप नगर, डीबी मॉल के सामने से शौर्य स्मारक तक शाम 5:30 बजे ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में भारत भक्ति यात्रा निकालकर सेना के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करेगी। जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल श्री मानवेंद्र सिंह जी उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में बीते दिनों पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बहनों के सिंदूर उजाड़ने वालों को ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सबक सिखाने वाली साहसी सेना का आभार व्यक्त किया जाएगा। इसके साथ ही सैनिक परिवारों की माताओं का सम्मान भी किया जाएगा। इस यात्रा में शहर का सर्व समाज का प्रबुद्धजन मातृशक्ति शामिल होकर समाज में एकता, सामंजस्य एवं सौहार्द का संदेश देंगी।

भोपाल मंडल के नर्मदापुरम एवं शाजापुर पुनर्विकसित अमृत भारत स्टेशनों की नई पहचान

भोपाल। भारतीय रेल को देश की जीवन रेखा माना जाता है, और रेलवे स्टेशन किसी भी शहर की पहचान का केंद्र होते हैं। अधिकतर स्टेशन शहर के बीचोंबीच स्थित होते हैं, जहां आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां सजीव रहती हैं। इसलिए स्टेशनों का विकास केवल यात्री सुविधाओं तक सीमित नहीं रहकर, उन्हें स्थानीय विरासत और पहचान से जोड़ना ज़रूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 'अमृत काल' में तेज़ विकास की दिशा पकड़ी है। उनकी प्रेरणा से भारतीय रेलवे ने 1300 से अधिक स्टेशनों के कायाकल्प की शुरुआत की, और अब 103 स्टेशनों का उद्घाटन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत होने जा रहा है। यह विकास की नई संस्कृति है, जिसमें शिलान्यास से उद्घाटन तक का सफर रिकॉर्ड समय में पूरा हो रहा है - और इसके लिए भारतीय रेलवे सराहना की पात्र है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे 1300 से अधिक स्टेशनों में जो 103 स्टेशन अभी बनकर तैयार हुए हैं, उनमें मध्य प्रदेश राज्य के छह स्टेशन - कटनी साउथ, श्रीधाम, नर्मदापुरम, शाजापुर, सिवनी और ओरछा शामिल हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने राज्यों के कृषि मंत्रियों से बातचीत की

उत्पादन बढ़ाने के लिए 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' एक बहुत बड़ा प्रयास : चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याणऔर ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली के कृषि भवन से वर्चुअल माध्यम से राज्यों के कृषि मंत्रियों से बातचीत की और आगामी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान'को सफल बनाने का आह्वान किया।

श्री चौहान ने राज्यों के कृषि मंत्रियों को 29 मई से 12 जून तक चलने वाले इस देशव्यापी अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने और अधिक से अधिक किसानों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से काम करने की बात कही।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' एक बहुत बड़ा प्रयास है। यह देश अपना है, माटी अपनी है, किसान अपने हैं, हमारा उद्देश्य किसानों की खेती को फायदे में बदलना, खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, अनाज, दालें, फल, सब्जियों उनके भंडार भरना और पोषणयुक्त आहार देश की जनता को उपलब्ध कराना है। श्री चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। लभगभ आधी आबादी की आजीविका कृषि पर आधारित है और हमें इनकी आजीविका को सुनिश्चित करने का प्रयास लगातार जारी रखना होगा। धरती को आने वाली पीढ़ियों के लिए उच्छी उपयोगी स्थिति में बचाकर रखना भी आवश्यक है। मुझे खुशी है कि इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकारें बेहतर काम कर रही हैं।

श्री चौहान ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इस साल रिकॉर्ड स्तर पर उत्पादन हुआ है। चाहे चावल हो, धान हो, मक्का हो यहां तक कि दाल-दलहन, तिलहन में भी हमने उत्पादन बढ़ाकर नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। जिसके लिए मैं सभी राज्यों और कृषि मंत्रियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस लक्ष्य की पूर्ति साझा प्रयत्नों से हुई है। श्री चौहान ने कहा कि लेकिन अभी रूकना नहीं है बल्कि इस उपलब्धि से और आगे बढ़ना है। केंद्र और राज्य सरकारों के कृषि मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली सभी संस्थान, विभाग, विश्वविद्यालय व अन्य संसाधनों के आपसे तालमेल से काम करने से सफलता की नई ऊंचाइयां अर्जित की जा सकती है। साझा समन्वय के साथ एक दिशा में काम करने से खेती में चमत्कार हो सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'लैब टू लैंड' विजन को साकार करने के उद्देश्य से ही 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की रूपरेखा तय की गई है। इसलिए विकसित भारत के लिए ही विकसित कृषि संकल्प अभियान बनाया गया है। यह अभियान किसानों की सेवा के लिए है। हमारे देश की खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है। मैंने हमेशा कहा कि किसानों की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है। किसानों की हितों की पूर्ति की बड़ी जिम्मेदारी राज्यों के ऊपर है इसलिए मेरी अपील है कि मिलकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सम्मिलित प्रयास से होगा। इस अभियान के अंतर्गत वैज्ञानिकों की टीम देशव्यापी स्तर पर गांव-गांव जाकर किसानों को प्रशिक्षित करने का काम करेंगी। इसके लिए 2,170 वैज्ञानिकों की टीमों का गठन किया गया है। इस अभियान में दो तरफा संवाद होगा, एक ओर वैज्ञानिक किसानों को शोध और तकनीक की जानकारी देंगे, वहीं दूसरी ओर किसानों से खेती में आ रही समस्याओं की जानकारी भी लेंगे व समाधान के रास्ते भी बताएंगे। आगे की शोध की दिशा भी तय करेंगे। श्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी राज्यों से 'एक राष्ट्र, एक कृषि, एक टीम' की धारणा से आगे बढ़ते हुए इसी खरीफ की बुआई से पहले उत्पादन बढ़ाने की दिशा में इस अभिनव अभियान को समर्पित मन से सफल बनाने की अपील की। बैठक में कृषि मंत्रालय के सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल ने सफल एओर्टिक एन्यूरिज्म - महाधमनी की सूजन- रिपेयर कर मरीज की जान बचाई

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग ने एक और जटिल सर्जरी सफलता पूर्वक संपन्न की। इस सर्जरी के माध्यम से सागर जिले के 60 वर्षीय एक किसान का उपचार किया गया, जो विगत एक वर्ष से पेट में दर्द की समस्या से पीड़ित थे। उन्होंने कई अस्पतालों में परामर्श किया, जहाँ जाँच के उपरांत पेट की महाधमनी में 10 सेंटीमीटर का एब्डॉमिनल एओर्टिक एन्यूरिज्म (महाधमनी की सूजन) पाया गया, जो धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा था तथा कभी भी फट सकता था। विभिन्न अस्पतालों में उपचार कराने के बाद भी जब उन्हें राहत नहीं मिली, तब वे एम्स भोपाल के सीटीवीएस विभाग में पहुँचे। विभाग की विशेषज्ञ टीम द्वारा विस्तृत परीक्षण के बाद सर्जरी का निर्णय लिया गया। इस सर्जरी में सूजनग्रस्त महाधमनी को सफलतापूर्वक हटाकर, ग्राफ्ट (कृत्रिम नली) की सहायता से उसकी मरम्मत की गई। सर्जरी के पश्चात मरीज को आईसीयू में स्थानांतरित किया गया जहां उनके स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है।

इस उपलब्धि के महत्व पर जोर देते हुए प्रो. सिंह ने कहा, यह सफल सर्जरी एम्स भोपाल की मध्य प्रदेश के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एम्स भोपाल के लिए यह गर्व का विषय है कि हम ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों सहित समाज के सभी वर्गों के मरीजों को उन्नत एवं जीवन रक्षक चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रहे हैं। हमारी प्रतिबद्धता है कि ऐसी महत्वपूर्ण चिकित्सकीय सेवाएं सभी जरूरतमंदों तक पहुँचें और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य एवं नई उम्मीद मिले। इस मरीज की सर्जरी कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश निवारिया की देखरेख में किया गया। सर्जिकल टीम में डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी और डॉ. आदित्य सिरोही शामिल थे। यूरोलॉजी विभाग से डॉ. केतन मेहरा एवं एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. प्रणिता मंडल ने इस सर्जरी में सहयोग किया।

मुख्यमंत्री यादव के नेतृत्व में निवेश को मिल रही नई दिशा : यशपाल सिंह सिसौदिया

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा बीते एक वर्ष में स्टार्ट-अप में 30 प्रतिशत और महिला स्टार्ट-अप में 34 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नई स्टार्ट-अप नीति लागू होने के बाद मध्यप्रदेश सरकार नवाचार और उद्यमिता को लगातार बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार स्टार्ट-अप के जरिए युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर रोजगार देने वाला बना रही है। स्टार्ट-अप के माध्यम से प्रदेश में निवेश को नई दिशा देने एवं नवाचार और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करता हूं। स्टार्ट-अप के माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों में वृद्धि और राज्य में नवाचार को प्रोत्साहन देने में सरकार सफल रही है।

महिला उद्यमिता के साथ महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही सरकार- भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने कहा कि पिछले एक वर्ष में राज्य में मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप की संख्या 4012 से बढ़कर 5300 हो गई, जिसमें 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्ट-अप में 34 फीसदी की वृद्धि हुई है। इनकी संख्या 1864 से बढ़कर 2490 तक पहुंच गई हैं। इन प्रयासों से यह स्पष्ट होता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिला उद्यमिता के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। प्रदेश में महिलाओं और कृषि स्टार्ट-अप को मंच मिला है। महिला उद्यमियों को योजनाओं से जोड़ने के लिये 13 अगस्त 2024 को आयोजित प्रदेश महिला उद्यमी सम्मेलन में 40 से अधिक महिला स्टार्ट-अप ने भाग लिया था। कृषि क्षेत्र के लिए जीएपी फंड के माध्यम से फंडिंग की सुविधा दी गई और कृषि आधारित स्टार्ट-अप को विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी का अवसर मिला।

मध्यप्रदेश में नवाचार व उद्यमिता का वातावरण तैयार- भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने कहा कि स्टार्ट-अप जागरूकता का प्रदेशभर में प्रसार-प्रसार कर मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप सेंटर ने पूरे वर्ष में 50 से अधिक कार्यक्रमों में भाग लिया। लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रदेश में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉक्लेव तथा आरएएमपी योजना जैसी पहलों के माध्यम से स्टार्ट-अप्स को जागरूक किया गया। मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप सेंटर ने राज्य में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तैयार किया है साथ ही निवेश, जागरूकता और सहभागिता के नए आयाम भी स्थापित किए हैं।

आज महकेंगे निमाड़ी कविताओं के 'शब्द सुमन'

टैगोर कला केंद्र जारी करेगा, लोक पर्व 'संजा' की पुस्तिका

भोपाल। बोली की मिठास और मिट्टी की सोंधी सुवास से सराबोर निमाड़ी कविताओं का ताना-बाना आज मंगलवार 20 मई की शाम 6.30 बजे 'शब्द सुमन' में सजेगा। टैगोर लोक कला एवं संस्कृति केन्द्र के सहयोग से मिलन नार्मदीय ब्राह्मण सामाजिक संस्थान के साहित्य प्रकोष्ठ का यह आत्मीय समागम दुष्यंत संग्रहालय में होगा। लोक संस्कृति और साहित्य के अप्रतिम चितेरे पद्मश्री पंडित रामनारायण उपाध्याय की जयंती के निमित्त परिकल्पित इस समारोह में प्रवीण अत्रे, शैलेन्द्र चौकड़े, दीपक पगारे 'मोहना' तथा ब्रजेश बड़ोले हास्य-व्यंग्य तथा अन्य रस-भावों की कविताओं का पाठ करेंगे। श्याम बिल्लौरे, विनय उपाध्याय, प्रेम पगारे तथा आलोक बिल्लोरे दादा रामनारायण उपाध्याय के कृती-व्यक्तित्व पर प्रकाश डालेंगे। इस अवसर पर टैगोर कला केन्द्र द्वारा 'निमाड़ संजा पर्व' पर एकाग्र प्रकाशित पुस्तिका के नए संस्करण का लोकार्पण होगा। लोक गायिका आलोचना मांगरोले ने इसका संयोजन किया है। टैगोर लोक कला एवं संस्कृति केन्द्र तथा 'मिलन' द्वारा जारी किया।

विवादित बयान, भाजपा की चुप्पी पर जीतू पटवारी का तीखा हमला, बोले-

राष्ट्र सेवा करने वाली बेटियों का अपमान बर्दाश्त नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की वीरांगना कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए आपत्तिजनक और अपमानजनक बयान ने न केवल सेना के गौरव को ठेस पहुंचाई है, बल्कि देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों पर भी गहरा प्रहार किया है। इस मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कुंवर विजय शाह की माफी को खारिज करते हुए सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष न्यायालय ने कहा, कभी-कभी माफी बचने के लिए मांगी जाती है, तो कभी-कभी ये मगरमच्छ के आंसू जैसी होती है। आप लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आप एक पब्लिक फिगर हैं, बोलते समय विचार करना चाहिए। यह टिप्पणी न केवल विजय शाह के लिए, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चरित्र और चेहरे पर भी गंभीर सवाल उठाती है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए भाजपा और उसकी सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा, कर्नल सोफिया कुरैशी इस देश की बेटी हैं, भारतीय सेना का गौरव हैं, और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्होंने विश्व मंच पर भारत का परचम लहराया है। ऐसे में, मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री द्वारा उनके चरित्र और धर्म पर आधारित अपमानजनक टिप्पणी न केवल उनकी व्यक्तिगत गरिमा पर हमला है, बल्कि यह भारतीय सेना, देश की एकता, और संवैधानिक मूल्यों का अपमान है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: कानून और संविधान सर्वोपरि- माननीय सुप्रीम कोर्ट ने विजय शाह की याचिका पर सुनवाई मसूरी कोर्ट आफ एपल्ल , 425 एस.डब्ल्यू.3डी 351, 362 (एमओ.सीटी.एपीपी. 2013). कोर्ट ने न केवल विजय शाह की माफी को अस्वीकार किया, बल्कि उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया। कोर्ट ने आदेश दिया कि इस मामले की जांच एक विशेष जांच दल (एसआईटी) करेगा, जिसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल होंगे, जिनमें से एक महिला होगी, और ये अधिकारी मध्य प्रदेश से बाहर के होंगे। यह फैसला स्पष्ट करता है कि सत्ता का अहंकार और तानाशाही रवैया कानून और संविधान के सामने नहीं टिक सकता। श्री पटवारी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला देश के लिए एक मिसाल है। यह साबित करता है कि चाहे कोई कितना भी बड़ा नेता क्यों न हो, कानून और संविधान सर्वोपरि हैं।

भाजपा का दोहरा चरित्र और चुप्पी- श्री जीतू पटवारी ने भाजपा के दोहरे चरित्र पर सवाल उठाते हुए कहा, जब बात राष्ट्रवाद और सेना के सम्मान की आती है, तो भाजपा बड़े-बड़े दावे करती है। लेकिन जब उनके ही मंत्री भारतीय सेना की एक वीरांगना का अपमान करते हैं, तो उनकी चुप्पी उनके राष्ट्रवाद के खोखलेपन को उजागर करती है। क्या भाजपा तब तक अपने बदज22 मिनट पहले ही मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। क्या भाजपा अपने इस बदजुबान नेता को तब तक मंत्रिमंडल में बनाए रखेगी, जब तक सुप्रीम कोर्ट इसका आदेश न दे? यह सवाल आज हर देशवासी के मन में है।

कांग्रेस का आक्रामक रुख और जनता का समर्थन- मध्य प्रदेश कांग्रेस ने इस मामले में आक्रामक रुख अपनाया है। श्री जीतू पटवारी स्वयं भोपाल के थाने पहुंचे और विजय शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पूरे प्रदेश में इस मुद्दे पर आंदोलन की घोषणा की और कहा, हम तब तक चुप नहीं बैठेंगे, जब तक विजय शाह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं किया जाता और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं होती। सोशल मीडिया पर भी जनता का गुस्सा साफ दिख रहा है, जहां लोग विजय शाह को मंत्री पद से हटाने की मांग कर रहे हैं।

गंज क्षेत्र में कांतिशिवा के पीछे फल मंडी संचालन की थी योजना

लेआउट डालने के बाद अधर में फल मंडी का प्लान

बैतूल। शहर के गंज क्षेत्र में कांतिशिवा के पीछे खाली जमीन पर फल मंडी के संचालन की योजना बनी थी। इसके लिए ले-आउट भी डाला गया था, लेकिन फल मंडी शुरू किए जाने का प्लान विरोध के चलते यह योजना अधर में नजर आ रही है। दरअसल नगरपालिका ने फल बाजार बनाने के लिए कांतिशिवा के पीछे की जमीन का चयन किया था, लेकिन फल विक्रेताओं का कहना है कि जिस जमीन पर फल मंडी संचालन के लिए कहा जा रहा है, वहां लोगों के द्वारा कचरा फेंका जाता है। सार्वजनिक शौचालय के पास से लगी जमीन के मुख्य गेट पर ही कचरे का ढेर लगा हुआ है। वहां पानी भी थमा रहता है। यूरिन जाने के लिए भी लोग इस जगह का ही इस्तेमाल करते हैं। उक्त जगह मुख्य सडक से अंदर की तरफ हैं, जो दिखाई भी नहीं देती हैं और चारों तरफ बाउंड्रीवाल से घिरी हुई है। फल विक्रेताओं का कहना था कि यहां फल बाजार बनाने से पहले नपा को फल विक्रेताओं से बात कर लेना चाहिए था, लेकिन बिना सोचे-समझे निर्णय लिए जाने के कारण नगरपालिका के प्रति रोष पनप रहा है।

26 दुकानों के लिए डाला था लेआउट

नगरपालिका द्वारा फल विक्रेताओं को यहां विस्थापित किए जाने के लिए 26 दुकानों का लेआउट डाला था, लेकिन जगह का चयन गलत किए जाने के कारण फल विक्रेताओं ने यहां दुकानें लगाने से इनकार कर दिया था, जिस पर नगरपालिका ने फल विक्रेताओं को नोटिस भी जारी किए, लेकिन फल विक्रेता नहीं माने और आखिरकार नगरपालिका को फल मंडी के संचालन को लेकर सोचना पड़ रहा है। फल विक्रेता गंज में प्राथमिक स्कूल की खाली पड़ी जमीन पर दुकान लगाने के लिए जमीन दिए जाने की मांग कर रहे है। फल विक्रेताओं ने बताया कि गंज में जिस जगह को नगरपालिका ने फल बाजार बनाने के लिए जिस जगह का चयन किया है वह गलत है।

गंदगी के कारण लोगों का खड़े रहना मुश्किल

मुख्य सड़क से अंदर की तरफ नाले के पीछे फल बाजार में गंदगी और बदबू के कारण खड़े रहना भी मुश्किल होता हैं। ऐसे में फल विक्रेता दिन भर यहां कैसे रहेंगे। वहीं ग्राहक भी यहां आना पसंद नहीं करेंगे। फल विक्रेताओं ने फल बाजार लगाने के लिए प्राथमिक स्कूल की खाली पड़ी जमीन का सुझाव भी दिया। लोगों का कहना है कि फल बाजार बनाए जाने के लिए सही निर्णय नहीं लेने की वजह से नगरपालिका को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। नगरपालिका को फल बाजार के लिए ऐसे स्थान का चयन किया जाना चाहिए, जहां पर फल विक्रेताओं को सुविधाएं और ग्राहक भी आसानी से पहुंच सके।

फल विक्रेताओं से नहीं की बात, डाल दिया लेआउट

नगरपालिका ने फल विक्रेताओं को बिना बताए ही जगह का चयन कर लिया और आनन-फानन में दुकानें लगाने के लिए ले आउट भी डाल दिया। साथ ही फल विक्रेताओं को दुकानें लगाने का फरमान भी जारी कर दिया था। जब कोई भी फल विक्रेता दुकान लगाने नहीं पहुंचा, तो नगरपालिका ने फल विक्रेताओं को नोटिस जारी कर दिए, लेकिन नोटिस मिलने के बाद भी फल विक्रेता वहां दुकानें लगाने के लिए तैयार नहीं हुए। फल विक्रेताओं ने फल बाजार लगाने के लिए प्राथमिक स्कूल की खाली पड़ी जमीन का सुझाव भी दिया।

इनका कहना है -

फल मंडी के लिए गंज क्षेत्र में कांतिशिवा के पीछे वाली जमीन फाइनल की है और यहां ले आउट भी डाला गया है। साफ-सफाई कर व्यवस्था बनाई जा रही है। यदि विक्रेता इस जगह को लेकर संतुष्ट नहीं है तो अन्य जगह का चयन कर फल-सब्जी मंडी का संचालन करवायेंगे।

- सतीश मटसेनिया,
सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

डागा हाउस में गूंजा राम नाम, पूर्व विधायक विनोद डागा की जयंती पर हुआ भावपूर्ण आयोजन

स्व.डागा की स्मृति में बांटी मोटराइज्ड ट्राइसिकल, खुशी से खिले दिव्यांगों के चेहरे

बैतूल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष और बैतूल विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक स्व.विनोद डागा की 76वीं जन्म जयंती पर 19 मई, सोमवार को डागा हाउस, कोठी बाजार में भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन पूरी तरह धर्ममय और सेवाभाव से ओतप्रोत रहा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर स्व.डागा के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9.15 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ से हुई, सर्वप्रथम श्रीमती निर्मला डागा, श्रीमती दीपाली डागा एवं पूर्व विधायक निलय डागा ने भगवान राम की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलन किया। इसके बाद सुंदरकांड पाठ का विधिवत शुभारंभ किया गया। जिसमें राम

नाम के सुमधुर स्वर से डागा हाउस राममय हो गया। श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। सुंदरकांड पाठ के उपरांत ठीक 11 बजे स्व.विनोद डागा को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए तथा पुष्पांजलि दी गई। उपस्थितजनों ने उन्हें एक कर्मठ, जनसेवी, किसान हितैषी और जन-जन के नेता के रूप में याद किया। इस अवसर पर दिव्यांगजन कल्याण की दिशा में भी एक अहम पहल की गई। डागा परिवार की ओर से पांच दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसिकल वितरित की गई। इन लाभार्थियों में सुरेश यादव सदर, वासुदेव बघेल गौठाना, गोकूल चौधरी मंडई, रोशन पाटनकर सावंगा और मुन्नी सलामे कोदारोटी शामिल रहे। ट्राइसिकल पाकर इन दिव्यांगजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने डागा परिवार को आशीर्वाद दिया। उल्लेखनीय है स्व.विनोद डागा एक कुशल और सशक्त राजनेता रहे। किसान और उद्योगपति के रूप में भी उनकी विशिष्ट पहचान थी। वे हमेशा किसानों की समस्याओं को लेकर सजग और संघर्षशील रहे। यही कारण है कि उनके जन्मदिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और उन्हें नमन किया। यह आयोजन श्रद्धा, सेवा और सामाजिक संकल्प का अद्वितीय उदाहरण रहा, भीषण गर्मी में भी डागा परिवार से जुड़े लोग डागा हाउस पहुंचे जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्व.विनोद डागा की स्मृतियां आज भी जनमानस में जीवंत हैं और उनके कार्यों को परिवार तथा समाज जन प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। अंत में डागा परिवार ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने मंत्री शाह, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा का पुतला जलाया

राजगढ़/सुसनेर , निप्र। मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए आपत्तिजनक बयान के बाद विवाद बढ़ गया है। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते भी अपने बयानों के कारण घिर गए हैं। कांग्रेस ने तीनों नेताओं और बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शनिवार शाम 4 बजे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डाक बंगला तिराहे पर प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए मंत्री विजय शाह और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा का पुतला फूंका गया। इससे पहले कांग्रेस ने रैली भी निकाली। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष बंशीलाल पाटीदार, वरिष्ठ नेता विष्णु प्रसाद पाटीदार, संगठन मंत्री आंशिक हुसैन बोहरा, सोयत ब्लॉक अध्यक्ष केलाश पटेल, अर्जुन सिंह गोपालपुरा, मांगीलाल कजलास, इरशाद मोहम्मद सेठी, पार्षद राकेश कानुडीया, ईबादुल्ला खान सहित कई मौजूद रहे। ये जानकारी विधायक बापू के निजी सचिव यशपाल सिंह परमार ने दी।

स्कूल में छात्राओं की ब्यूटी वेलनेस कोर्स की ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग शुरू

राजगढ़/फतेहगढ़/ झागर, निप्र। विकासखंड बमोरी की ग्राम पंचायत फतेहगढ़ स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (सीएम राइज़) में संचालित ब्यूटी एंड वेलनेस कोर्स से जुड़ी छात्राओं की 20 दिवसीय ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओ.जे.टी.) की शुरुआत की गई। यह प्रशिक्षण फतेहगढ़ के स्थानीय ब्यूटी पार्लर में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कक्षा 10वीं और 12वीं की छात्राएं भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को थ्रेडिंग, फोरहेड, अपर लिप्स, चिन, साइड फेस थ्रेडिंग, ब्लीच, आईब्रो, मेकअप, हेयर स्टाइल, मेनीक्योर, पेडीक्योर, विभिन्न प्रकार की हेयर कटिंग, मशीनों द्वारा फेशियल एवं पिंपल्स तथा हेयर ट्रीटमेंट जैसी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण छात्राओं के कौशल विकास के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। पूर्व वर्षों में भी विद्यालय की कई छात्राएं इस कोर्स के माध्यम से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं, जिनकी सफलता की कहानियों को भोपाल स्तर पर भी सराहा गया है। विद्यालय की इस पहल को जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर सिसौदिया, एडीपीसी राजेश गोयल, एपीसी आशीष टांटिया, श्रीकृष्ण शिवहरे, योगेश तिवारी तथा प्राचार्य भगवत प्रसाद ओझा का निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है।

समाज में मीडिया की भूमिका पर डाला प्रकाश

राजगढ़, निप्र। विजय भवन संघ कार्यालय में देवर्षि नारद जयंती पर मीडिया कर्मियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभाग संघ चालक उदयसिंह चौहान ने कहा कि पत्रकार समाज का आइना होते हैं। भारत एक सामाजिक राष्ट्र है। इसे पंथ निरपेक्षता के साथ धर्म के आधार पर विश्व का नेतृत्व करना है। उन्होंने कहा कि संघ 100 वर्ष का हो रहा है। यह शताब्दी वर्ष है। इसमें समाज जागरण और परिवर्तन के कई विषयों को लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी और नागरिक शिष्टाचार जैसे विषयों पर संघ समाज के बीच जाकर जागरूकता फैलाएगा। कार्यक्रम में जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख विवेक सोनी ने सोशल मीडिया, यू-ट्यूब मीडिया और प्रिंट मीडिया को लेकर विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में मौजूद सभी मीडिया कर्मियों को संत रविदास की तस्वीर और 'सामाजिक समरसता की पुस्तक भेंट की।

बारिश से खेतों में रखा प्याज भीगा, किसानों को नुकसान

राजगढ़/माचलपुर, निप्र। शनिवार शाम मौसम ने अचानक रुख बदला। शाम 5 बजे के बाद तेज तूफान आया, इसके साथ ही जोरदार बारिश हुई। खेतों में रखा प्याज पूरी तरह भीग गया, इससे प्याज सड़ गया। किसान इन दिनों कटाई और प्याज निकालने में लगे थे। पिछले दो हफ्तों से हर शाम बारिश हो रही है। किसानों ने बताया कि पहले भी बारिश से प्याज खराब हुआ था। शनिवार की बारिश से नुकसान और बढ़ गया। इस समय प्याज के दाम 5 से 8 रुपए किलो चल रहे हैं। बारिश के कारण दाम और गिर रहे हैं, इससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

ओम शर्मा बने नगर प्रमुख

राजगढ़, निप्र। शहर के युवा पंडित ओम शर्मा को नगर की परशुराम सेवा पुजारी संघ का प्रमुख बनाया गया है। ओम शर्मा की यहां नियुक्ति संगठन के जिला प्रमुख अनुराग त्रिपाठी ने राष्ट्रीय संगठन प्रमुख सुमित व्यास और प्रदेश प्रमुख पंडित जगदीश शास्त्री की अनुशंसा पर की है। पंडित ओम शर्मा की इस नियुक्ति पर स्थानीय गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, युवा अध्यक्ष विजय पंचोली, परशुराम सेवा अध्यक्ष प्रशांत उपाध्याय, युवा अध्यक्ष अक्षत दुबे, हिमांशु शर्मा, दुर्गेश शर्मा, विनय शुक्ला, शरद शर्मा, दुर्गेश शर्मा, उमेश शर्मा सहित अन्य समाज जनों ने बधाई देते हुए परशुराम सेवा पुजारी संघ के पदाधिकारियों का आभार माना है।

पूर्व सैनिकों की रही मौजूदगी, हजारों लोगों ने लगाए भारत माता की जय के नारे

नरसिंहगढ़ में पहलगाम हमले के विरोध में निकली तिरंगा यात्रा

राजगढ़, निप्र। राजगढ़ के नरसिंहगढ़ में रविवार को भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए तिरंगा यात्रा निकाली गई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में निकली यात्रा में नगरवासियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए। यात्रा आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता का प्रतीक बनी। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ छत्री चौराहा से हुआ और ये पांडव चौराहा, सुभाष चौक, छारबाग, दीना जी चौराहा, शिवजी चौक, पुरानी कोतवाली चौराहा, मंगलवारिया, राम कुंड चौराहा, चांपी मोहल्ला, नगरपालिका रोड से होते हुए पुनः छत्री चौराहा पर सम्पन्न हुई। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

पूर्व सैनिकों की उपस्थिति रही

सेवानिवृत्त सैनिकों की उपस्थिति ने यात्रा को विशेष गरिमा प्रदान की। इंडियन एक्स आर्मी से जुड़े जवानों की सहभागिता ने आमजन को प्रेरणा दी और सैनिकों के त्याग का स्मरण कराया। तिरंगा यात्रा ने संदेश दिया कि देशवासी हर परिस्थिति में सेना के साथ खड़े हैं। ये यात्रा केवल एक शोभायात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, शांति और आतंक के खिलाफ संकल्प का प्रतीक बनी।

इनकी भागीदारी रही

यात्रा में नरसिंहगढ़ विधायक मोहन शर्मा, एसडीएम सुशील कुमार, तहसीलदार विराट अवस्थी, जनपद पंचायत सीईओ राजीव मिश्रा, नगरपालिका सीएमओ अभिषेक जैन, एसडीओपी उपेंद्र सिंह भाटी, थाना प्रभारी एस.एस. चौहान समेत कई जनप्रतिनिधियों की भागीदारी रही।

समाज और संतों का रहा सहयोग

यात्रा में संत समाज से महंत श्री दीपेंद्र दास, नगर के प्रबुद्ध शिक्षाविद डॉ. चेतना त्रिपाठी, बी.डी. सक्सेना, केपी परमार, विजेन्द्र वंशीलाल सहित अनेक समाजसेवी और शिक्षाविद शामिल रहे। मां वैष्णो देवी गुप बोरहा समाज, डीए पब्लिक स्कूल सहित कई संस्थाओं ने यात्रा का स्वागत कर देशभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ किया।

राजगढ़ स्विमिंग प्रतियोगिता में 25 बच्चों ने लिया हिस्सा: कलेक्टर ने किया सम्मानित

बोले- तैराकी खेल और फिटनेस दोनों के लिए लाभदायक

राजगढ़, निप्र। राजगढ़ में खेल एवं युवक कल्याण विभाग ने रविवार को स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें 10 से 15 साल के 25 बच्चों ने भाग लिया। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम में पहुंचकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि तैराकी खेल और फिटनेस दोनों के लिए लाभदायक है। स्विमिंग पूल पर जल्द ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बच्चों को मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया

प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों ने हिस्सा लिया। अंडर-10 बालक वर्ग में तेजस मिश्रा, अनन्य नामदेव, विक्रम खरे और ध्रुव शुक्ला ने भाग लिया। बालिका वर्ग में पल्लवी मिश्रा ने प्रतिभाग किया। अंडर-14 वर्ग में नवाज, अर्जुन और नवील ने हिस्सा लिया।

अंडर-15 वर्ग में गोविंद, अली, मोहम्मद अब्दुल और अली सदन ने प्रतिस्पर्धा की। कलेक्टर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी शर्मिला मुजाल्दे, महिला एडीओ वसीम खान, सशक्तिकरण अधिकारी श्याम बाबू खरे समेत कई अधिकारी और खेल प्रशिक्षक मौजूद रहे।

बिजली कटौती से परेशान उपभोक्ता

राजगढ़/छापीहेड़ा, निप्र। तेज गर्मी के बीच बिजली की बिना सूचना कटौती से जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रोजाना कभी मेंटेनेंस, कभी लोड शेडिंग तो कभी तार जोड़ने के नाम पर बिजली बंद कर दी जाती है। रविवार को दोपहर 2 बजे बिजली गई, जो देर शाम तक नहीं आई। बिजली कंपनी से पूछने पर बताया गया कि जीरापुर 33 केवी लाइन पर मेंटेनेंस का काम चल रहा है। शाम को फिर जानकारी ली गई तो कहा गया कि आंधी-तूफान के कारण जीरापुर से सप्लाई नहीं हो पा रही है। दिनभर बिजली बंद रहने से कोल्ड ड्रिंक, आटा चक्की, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन काम ठप रहे। घरों में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे गर्मी से परेशान रहे। रात 7 बजे तक बिजली सप्लाई बहाल नहीं हो सकी।

महाविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश के लिए पंजीकरण, 10 कॉलेज चुनने की पात्रता

राजगढ़, निप्र। उच्च शिक्षा विभाग ने इस बार स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की है। ये प्रक्रिया 15 मई से शुरू हो चुकी है और 30 मई तक चलेगी। दस्तावेज सत्यापन का काम 16 मई से शुरू हुआ है, जो 31 मई तक चलेगा। पहले चरण में सीट आवंटन 5 जून की सुबह 11 बजे होगा। विद्यार्थी 5 जून से 12 जून के बीच कॉलेज में शुल्क जमा कर सकेंगे। ऑनलाइन प्रवेश के लिए समग्र आईडी दर्ज करना जरूरी किया गया है। इसी आईडी से विद्यार्थी का पूरा रिकॉर्ड देखा जा सकेगा। पहले चरण की प्रक्रिया में 12 स्टेप होंगे। हर स्टेप में नियमों का पालन जरूरी है। किसी भी स्टेप में गलती हुई तो फॉर्म 'बैक टू स्टूडेंट' ऑप्शन में चला जाएगा। इससे विद्यार्थी को गलती सुधारने का मौका मिलेगा।

पहले स्टेप में ऑनलाइन प्रवेश की ये प्रक्रिया पहले स्टेप में समग्र आईडी दर्ज करनी होगी। दूसरे स्टेप में लॉगिन कर फॉर्म भरना होगा। ये फॉर्म मोबाइल, परिवार के मोबाइल, लैपटॉप, स्कूल या सरकारी कॉलेज में निशुल्क भरे जा सकेंगे। निजी कॉलेज में आवेदन के लिए तय शुल्क देना होगा। आवेदन करते समय हायर सेकेंडरी या स्नातक की जानकारी भरनी होगी। आरक्षण और आय वर्ग के लिए जाति प्रमाण पत्र जरूरी होगा। इसके अलावा जन्म प्रमाण पत्र, मार्कशीट, मूल निवासी प्रमाण पत्र, चिकित्सा प्रमाण पत्र, अनापत्ति प्रमाण पत्र और पात्रता से जुड़े दस्तावेज भी जरूरत पड़ने पर जमा करने होंगे। कॉलेज चयन की प्रक्रिया में विद्यार्थी अधिकतम 10 कॉलेज चुन सकेंगे। इसके बाद विद्यार्थी अपनी दर्ज जानकारी की जांच कर सकेंगे। शुल्क भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यूपीआई और नेट बैंकिंग की सुविधा दी गई है। यदि समग्र आईडी या उत्तर गलत पाया गया तो फॉर्म स्वीकृति के लिए नहीं भेजा जाएगा। सीट आवंटन की सूचना मोबाइल पर नोटिफिकेशन के जरिए दी जाएगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि भी ऑनलाइन बताई जाएगी।

खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली बेटियों को मंच ने किया सम्मानित

राजगढ़/फतेहगढ़, निप्र। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर महिला अधिकार मंच द्वारा आयोजित शाबाश बेटियां कार्यक्रम में फतेहगढ़ की राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खिलाड़ी बेटियों का सम्मान किया गया।

मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योति सिंह ने फतेहगढ़ पहुंचकर इन प्रतिभाशाली बेटियों को सम्मानित किया और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप सर्टिफिकेट वितरित किए। ज्योति सिंह ने कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल जैसे खेलों में भाग ले रही इन बेटियों की खेल प्रतिभा को न केवल सराहा, बल्कि यह भी आश्वासन दिया कि उन्हें खेल संसाधन, प्रशिक्षक और महिला कोच जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शासन-प्रशासन तक प्रयास पहुंचाया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर... सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली

लोगों ने स्वागत में बरसाए फूल, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सलामी दी

तिरंगा हाथों में थामकर साढ़े तीन किलोमीटर पैदल चले यात्री

राजगढ़, निप्र। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेवा के सम्मान में शनिवार को शहर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। 41 डिग्री तापमान में नागरिकों ने करीब 3.5 किलोमीटर पैदल चलकर देशभक्ति का संदेश दिया। यात्रा की शुरुआत भारत माता की प्रतिमा स्थल से हुई। यहां गा र्ड ऑफ ऑनर के साथ तिरंगा फहराया गया और सलामी दी गई। गार्ड ऑफ ऑनर के दल में महिला पुलिसकर्मी शामिल थीं। तिरंगा यात्रा स्टेडियम रोड से शुरू होकर पुराना बस स्टैंड, मुख्य बाजार होते हुए बिरसा मुंडा चौराहे पर पहुंची। रास्ते में सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और नागरिक संगठनों ने यात्रियों का स्वागत किया। यात्रा में राज्य मंत्री नारायण सिंह पंवार, सांसद रोडमल नागर, विधायक हजारीलाल दांगी, अमर सिंह यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद साहू सहित कई लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता देवी सिंह सौंधिया ने किया।

बारिश से गिरा तापमान, लोगों को मिली राहत: राजगढ़ में लगातार दूसरे दिन पानी गिरा

आंधी से टिनशेड उड़े, भैंस का पैर टूटा

राजगढ़, निप्र। राजगढ़ जिले में रविवार शाम तेज हवा के साथ बारिश हुई। दोपहर में 41 डिग्री तापमान और उमस से लोग परेशान थे। शाम को काले बादलों के साथ तेज हवा के साथ पानी गिरने लगा। खिलचीपुर, जीरापुर, ब्यावरा और नरसिंहगढ़ में करीब आधे घंटे तक बारिश और आंधी चली।

ब्राह्मणखेड़ा गांव में ज्यादा नुकसान

जीरापुर क्षेत्र के ब्राह्मणखेड़ा गांव में आंधी-तूफान से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। तेज हवाओं से दो ग्रामीणों के तीन टिनशेड उड़ गए। एक भैंस का पैर टूट गया। एक मकान की छत की पट्टियों में दरारें आ गईं। ग्रामीणों के मुताबिक हवा इतनी तेज थी कि कुछ समझ में आने से पहले ही सामान उड़ने लगा।

लगातार दूसरे दिन तापमान में गिरावट

मौसम विभाग के अनुसार मई की शुरुआत में तापमान 40 डिग्री से ऊपर था। शनिवार को माचलपुर क्षेत्र में भी अच्छी बारिश हुई थी। लगातार दूसरे दिन बारिश से तापमान में गिरावट आई है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। ग्रामीण इलाकों में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

पगारी बंगला बस स्टॉप पर साइन बोर्ड नहीं होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

राजगढ़/पगारी बंगला, निप्र। ब्यावरा- भोपाल हाइवे पर पगारी बंगला बस स्टॉप है। रोजाना बस स्टैंड से 40 गांवों के लगभग 300 से अधिक लोगों का जाना और आना होता है। ऐसे में साइन बोर्ड नहीं होने से यात्रियों को परेशान होना पड़ता है।

दरअसल हाइवे के निर्माण के दौरान नाली और सड़क बनाई गई है। डिवाइडर के बीच हरियाली के लिए पेड़ लगाए गए हैं, लेकिन बस स्टाफ पर साइन बोर्ड नहीं लगाया गया है। इससे यात्रियों को उतरने में परेशानी होती है। आए दिन यात्री एक-दो किमी आगे-पीछे उतरते हैं। दुकानदार गोपाल सेन, गोकुल दांगी, हरिओम इक्का, सोनू वर्मा, मुकेश दांगी, घनश्याम दांगी,रामबाबू दांगी, अशोक, राजेश के साथ अन्य लोगों का कहना है कि हाइवे प्रबंधन को पगारी बंगला बस स्टैंड पर साइन बोर्ड लगाना चाहिए, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

विधायक की अब सरकार से तालमेल की कोशिश !

विपक्षी पार्टी के एक प्रभावी विधायक इन दिनों अपने कामकाज में आ रही दिक्कतों की वजह से सरकार से समीकरण बिठाने में लग गए हैं। सूत्र बताते हैं कि विधायक के ठेकेदारी के काम में स्थानीय शासन-प्रशासन स्तर पर दिक्कतें शुरू हो गई है और विधायक के कामकाज प्रभावित होने लगे हैं। विधायक ने कई दिनों से सरकार से संबंध ठीक करने की कवायद शुरू कर

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

दी है। सूत्र बताते हैं कि विधायक पर सरकार की एसे ही तिरछी दृष्टि इनायत नहीं हुई। विधानसभा में बार-बार सरकार को कटघरे में खड़ा करने के कारण विधायक को अब सरकार की कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने ताजा कोशिश सत्ता के शीर्ष से जुड़ने की की लेकिन विधायक के क्षेत्र के एक प्रभावी दिग्गज नेता ने विधायक की एक न चलने दी लेकिन विधायक का प्रयास जारी है और सफलता मिल जाए तो कहा नहीं जा सकता। सफलता के कई कारण हो सकते हैं !

मंत्री के भाई का जलवा

बुंदेलखंड से आने वाले मोहन सरकार के एक मंत्री के भाई के जलवे से सब हैरान है। मंत्री जी तो मंत्रालय में अपने कक्ष में शायद ही दो-चार बार बैठे होंगे लेकिन माननीय के भ्राता श्री मंत्रालय में मंत्री कक्ष में अक्सर पाए जाते हैं। सूत्र बताते हैं कि माननीय के भाई, मंत्री जी के मंत्रालय कक्ष में डटे रहते हैं और शासकीय सुविधाओं का भरपूर आनंद लेते हुए विभागीय अधिकारी और मातहतों पर रंग जमाते हैं। मंत्रालय के सूत्र बताते हैं कि मंत्री जी कैबिनेट बैठक के बाद भी अपने कक्ष की ओर रुख नहीं करते हैं । मंत्री को किसी ने मंत्रालय कक्ष में दो-चार बार से अधिक देखा होगा। मंत्री जी सारे कामकाज अपने बंगले से ही निपटाते हैं और अधिकारियों को बंगले ही तलब करते हैं ।

कैबिनेट बैठक में मिला समय परिवर्तन का मैसेज

हर मंगलवार को होने वाली राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक का समय बदलना कोई नई बात नहीं है लेकिन कैबिनेट की बैठक का समय परिवर्तन की सूचना मंत्रियों को ऐसे समय मिले जब वह कैबिनेट बैठक के लिए कक्ष में पहुंच जाए। फिर मैसेज आए कि कैबिनेट की बैठक का समय 15 मिनट के लिए आगे बढ़ा दी गई है। विगत कैबिनेट की बैठक का यही हाल रहा। सुबह 11:00 होने वाली कैबिनेट बैठक का समय बदलकर 11:30 कर दिया गया, अधिकांश मंत्री कैबिनेट कक्ष में पहुंच गए, तभी मंत्रियों को मैसेज आया कि कैबिनेट की बैठक शुरू होने का समय 15 मिनट बढ़कर होने 11:45 बजे कर दिया गया है। अब मंत्रीगण, कैबिनेट बैठक के कक्ष में तो आ ही गए थे तो उन्होंने कक्ष में ही गपशप कर समय काटा।

मंत्री की सख्ती

प्रदेश में सामान्य तबादलों पर 1 मई से छूट है और तबादले आगामी 30 मई तक हो सकेंगे। तबादलों को लेकर कई मंत्रियों ने अपने-अपने बंगलों पर व्यवस्थाएं बना दी है। व्यवस्थाएं ऐसी की आप भी दंग रह जाएंगे। राज्य सरकार के एक मंत्री ने तबादला आवेदन के साथ संबंधित की भी उपस्थित अनिवार्य कर दी है। ताकि अनावश्यक आरोपों व दलालों से बचा जा सके। सूत्र बताते हैं कि मंत्री जी ने सख्त हिदायत दी है कि तबादला चाहने वाला सीधे उनसे मिल सकता है लेकिन सिफारिश लेकर अन्य कोई व्यक्ति ना आए अन्यथा परिणाम भुगतेगा ? मंत्री के निर्देश के बाद स्टाफ ने भी उसका पालन शुरू कर दिया है और बिना मंत्री की इजाजत के तबादला आवेदन लेने से बचते हैं। हालत यह है कि यदि मंत्री बंगले में मौजूद हैं तो मंत्री के ओएसडी साहब भी तबादला के लिए आवेदन नहीं ले सकते हैं। बता दे कि सरकार में मंत्री जी की छवि ईमानदार वाली है।

डिप्टी सीएम की सादगी

राज्य सरकार के एक उपमुख्यमंत्री की सादगी सामने आई है। उपमुख्यमंत्री जी के काफिले का वाहन (जिस पर उप मुख्यमंत्री हमेशा यात्रा करते हैं) पिछले दिनों मेंटेनेंस के लिए सरकारी गैराज गया था। उपमुख्यमंत्री ने एक साधारण से चार पहिया वाहन की किराये से सेवायें ली और बिना पुलिस फॉलो गार्ड के अपने काम से दिनभर आना जाना किया। प्रोटोकॉल के तहत उपमुख्यमंत्री को मिला पुलिस फॉलो गार्ड का काफिला दिनभर बंगले के सामने खड़ा रहा। बता दे कि उपमुख्यमंत्री ने किराये के जिस चार पहिया वाहन का उपयोग किया उसमें आज के भाजपा के छोटे नेता भी बैठना पसंद नहीं करें।

तबादले से नाखुश IAS

एक अहम सचिवालय से जुड़े अधिकारी अपने तबादले से नाखुश हैं। आईएएस अधिकारी का बीते दिनों तबादला कर दिया गया। सूत्र बताते हैं कि सचिवालय में होने के बावजूद उन्हें खबर तक नहीं लगी और तबादला सूची में उनका नाम आ गया। अधिकारी इसलिए नाखुश है कि उन्हें सचिवालय के अतिरिक्त एक विभागाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया था। विभागाध्यक्ष के तौर पर अधिकारी अभी परफॉर्म करने की कोशिश कर ही रहे थे कि तबदला आदेश आ गया। नाखुश अधिकारी अपना हाल किसे बताएं ?

लव जिहाद के आरोपों के बीच हंगामा

विहिप का थाने के बाहर प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मिसरोद थाना क्षेत्र में एक महिला से रेप का मामला सामने आया है। पीड़िता रविवार को मिसरोद थाने पहुंची थी, जहां देर रात तक उसकी काउंसलिंग चलती रही। मेडिकल जांच भी कराई गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कर ली है।

तलाकशुदा महिला से दोस्ती, शारीरिक शोषण- पीड़िता 37 साल की है और मिसरोद की एक कॉलोनी में अपने बच्चों के साथ रहती है। सात साल पहले उसका तलाक हो चुका है। उसकी 14 साल की बेटी और 16 साल का बेटा है। वह एक दुकान में काम करती है और बच्चों की परवरिश कर रही है।

इसी दौरान उसकी पहचान एक 40 साल के तलाकशुदा युवक से हुई, जो लेदर बैग बेचने का काम करता है। उसका नाम आशु खान है और वह मूल रूप से हरदा जिले का रहने वाला है। कुछ समय बाद आशु का महिला के घर आना-जाना शुरू हो गया और फिर दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

पुलिस कर रही बेटी की भी काउंसलिंग- महिला ने जब थाने में शिकायत दर्ज कराई, तो पुलिस ने उसका मेडिकल कराया और पूरी रात उसकी काउंसलिंग की। साथ ही पुलिस ने उसकी 14 साल की बेटी की भी मेडिकल जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बच्ची की भी काउंसलिंग की जाएगी ताकि यह साफ हो सके कि मां की गैर मौजूदगी में उसके साथ कोई गलत हरकत तो नहीं हुई है।

विश्व हिंदू परिषद ने किया विरोध प्रदर्शन- दूसरी ओर, रविवार रात को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मिसरोद थाने के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने इस मामले को लव जिहाद से जोड़ते हुए आरोपी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना है कि समुदाय विशेष के युवक ने महिला को प्रेमजाल में फंसाकर शोषण किया।पुलिस ने सभी पक्षों की बात सुनने के बाद मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

तीन नाबालिग बच्चों की डूबने से मौत...

बहन की शादी के बाद दो साथियों के साथ गया था नहाने

टीकमगढ़ (नप्र)। जेरोन थाना क्षेत्र के लुहरगुवां से निकली बारवीं नदी के पीपरी घाट पर तीन नाबालिग बच्चों नहाने गए थे, जिसमें डूबने से उनकी दर्दनाक मौत हो गई है।

मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों ने तीनों बच्चों के शवों को निकाला। उनका पंचनामा तैयार कर पृथ्वीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पीएम के लिए लेकर गए। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपे दिए।

लुहरगुवां के पास से निकली बारवीं नदी के पीपरी घाट पर खदरी गांव से सुबह लगभग दस बजे खदरी ग्राम निवासी यशपाल पुत्र जगदीश पाल (12), रित्तू उर्फ रितिक पुत्र अरविंद पाल निवासी सुनरई थाना लिधौरा (14), रोहित पुत्र सुनील पाल (15) निवासी राजावर हाल निवास नौगांव तीनों खदरी गांव से बाइक से नहाने के लिए गए थे।

वह दो घंटे तक घर वापस नहीं आए, तो लोगों ने सूचना दी। परिजनों पहुंचकर लुहरगुवां चौकी पर सूचना दी। मौके पर चौकी प्रभारी श्यामलाल अहिरवार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने तीनों बच्चों को नदी से निकालने के लिए प्रयास किए। दो बच्चे पहले मिल गए। एक का शव नहीं मिल रहा था, जिसे ग्रामीणों और पुलिस की मदद से नदी की गहराई की तरफ से निकाला गया, जहां उसका शव मिल गया।

बहन की शादी के बाद गया था नहाने

गांव सहित परिजनों में शोक की लहर छा गई। जगदीश की पुत्री साधना पाल के विवाह में शामिल होने के लिए रिश्तेदार आए हुए थे। रविवार को बिटिया की विदा हो गई। उसके बाद दोनों रिश्तेदारों के परिजनों को घर जाना था। इसी दौरान तीनों नहाने के लिए नदी चले गए। पुलिस चौकी प्रभारी श्यामलाल ने बताया कि मर्ग दर्ज कर जांच में लिया जाएगा।

एमपी में भोपाल समेत कई जिलों में आंधी-बारिश

इंदौर के महू में घरों की टिन उड़ी, देवास, शिवपुरी में भी गिरा पानी, 22 जिलों में अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सोमवार को भी आंधी-बारिश का दौर जारी है। भोपाल, इंदौर के महू, देवास, दमोह, गुना सागर, रायसेन, शिवपुरी, बड़वनी के सेंधवा, मऊगंज और बीना में दोपहर अचानक मौसम बदला। यहां तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। भोपाल और इंदौर में बादल छाए हुए है।

मौसम विभाग ने 22 जिलों में बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में इंदौर, जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, हरदा, बैतूल, मंडला, अनूपपुर के अमरकंटक, डिंडौरी, रीवा, मऊगंज, मैहर, विदिशा, अशोकनगर, सागर, शिवपुरी, सीहोर, देवास, बुरहानपुर और आगर शामिल है। यहां बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

यहां ऐसे बदला मौसम

भोपाल – यहां शाम को बादल छाए और बारिश शुरू हो गई। शहर के एमपी नगर और कटारा हिल्स समेत कई इलाकों में करीब 10 मिनट तक बारिश हुई। हालांकि बाद में मौसम साफ हो गया।

गुना – यहां दोपहर करीब 3:30 बजे से लगभग पौने घंटे तक जोरदार बारिश होती रही। इससे मौसम में ठंडक घुल गई और तेज गर्मी से लोगों को राहत मिली।

शिवपुरी – यहां दोपहर 3 बजे के आसपास तेज बारिश हुई। इसके साथ-साथ तेज हवाएं भी चलीं। बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम ठंडा होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

बड़वानी – जिले के सेंधवा ब्लॉक के बिजासन घाट क्षेत्र में आधे घंटे तक आंधी के साथ बारिश हुई। इससे कच्चे मकानों की छत उड़ गई। मंदिर क्षेत्र में लगी गुमटियां भी उड़ गईं। एक मकान की दीवार भी गिर गई।

देवास- यहां दोपहर बाद अचानक मौसम में बदला। शहर के बाहरी इलाकों में करीब 15 मिनट तक तेज बारिश हुई। उसके बाद मौसम फिर से साफ हो गया। बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

दमोह – शहर में दोपहर 3:30 बजे के बारिश शुरू हुई। तेज हवा और आंधी के चलते शहर में कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

महू – दोपहर अचानक तेज हवा के साथ बारिश हुई। आंधी के कारण मध्य भारत अस्पताल में एक पेड़ शेड पर गिर गया। जिससे दो युवक घायल हो गए। पाताल पानी में घरों की टीन शेड की छत उड़ गई।

बीना – सोमवार दोपहर तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। करीब आधे घंटे तक बारिश के कारण मौसम ठंडा हो गया। इसके बाद बादल छाए हैं।

मऊगंज – यहां दोपहर 1 बजे के बाद से रुक-रुक कर बारिश हुई। तेज हवाएं भी चली। जिले में अभी भी बादल भी छाए हैं।

रतलाम – यहां दिनभर तेज गर्मी और उमस के बाद शाम को मौसम बदला। तेज हवा और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बारिश हुई।

रायसेन- यहां दोपहर 3 बजे से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चली। कई जगह बारिश हुई। भीषण गर्मी के बीच मौसम में ठंडक घुल गई।

सीधी- जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र में अगडाल गांव में बिजली गिरने से एक नाबालिग बच्चा झुलस गया। उसे गंभीर हालत में रीवा रेफर किया गया है।

छिंदवाड़ा- यहां सोमवार शाम 4 बजे मौसम बदला। बादल छाने के बाद बारिश शुरू हो गई। इसके चलते उमस भरी गर्मी से राहत मिली।

एक वर्ष में स्टार्ट-अप में 30 और महिला स्टार्ट-अप में 34 प्रतिशत की वृद्धि - नई स्टार्टअप नीति हुई लागू

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप सेंटर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। स्टार्ट-अप्स की संख्या, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों में वृद्धि और राज्य में नवाचार को प्रोत्साहन देने वाली विभिन्न पहलों के चलते पिछला वर्ष अत्यंत सफल रहा है।

स्टार्ट-अप्स में हुआ इज़ाफ़ा- पिछले एक वर्ष में राज्य में मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप्स की संख्या 4012 से बढ़कर 5230 हो गई, जिसमें 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्ट-अप्स में 34 फीसदी की वृद्धि हुई है। इनकी संख्या 1864 से बढ़कर 2490 तक पहुँच गई हैं। इन प्रयासों से यह स्पष्ट है कि महिला उद्यमिता को विशेष बल दिया जा रहा है। आज प्रदेश में स्टार्ट-अप्स की संख्या 5300 से अधिक हो चुकी है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हुआ नीति का शुभारंभ- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप नीति एवं क्रियान्वयन योजना 2025 का शुभारंभ किया गया। इस दौरान 2500 से अधिक स्टार्ट-अप्स ने भाग लिया और फ्यूचर फ्रंटियर्स्ड स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन में 20 स्टार्ट-अप्स को निवेशकों के समक्ष पिच करने का मौका मिला, जिसमें से 19 को निवेशकों द्वारा रुचि पत्र प्राप्त हुए।

महिलाओं और कृषि स्टार्ट-अप्स को मिला मंच- महिला उद्यमियों को योजनाओं से जोड़ने के लिये 13 अगस्त 2024 को प्रदेश महिला उद्यमी सम्मेलन का हुआ। जिसमें 40 से अधिक महिला स्टार्ट-अप्स ने भाग लिया।

शादी में मामा की गोली से भांजे की मौत

आलीराजपुर में डीजे पर दोनों साथ डांस कर रहे थे, एक सेकेंड में जान गई

आलीराजपुर (नप्र)। आलीराजपुर में शादी समारोह में मामा के कट्टे से फायर हो गया, गोली 13 साल के भांजे को लगी। उसकी एक सेकेंड में ही मौके पर ही मौत हो गई। इसका वीडियो भी सामने आया है।

घटना नानपुर के तिति गांव के चौंगडिया फलिया की है। रविवार रात को बड़ी खट्टाली का रहने वाला पवन चौहान अपने भांजे अजय वास्कले के साथ एक शादी समारोह में गया था। दोनों मामा-भांजे डीजे पर नाच रहे थे। टशन दिखाने के लिए मामा कट्टा लहरा रहा था। इसी दौरान फायर हो गया।

पुलिस ने आरोपी मामा को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने उसके पास से अवैध कट्टा भी बरामद कर लिया है। एसपी राजेश व्यास ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या और अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

मामा के साथ डांस कर रहा था अजय

जानकारी के अनुसार, शादी समारोह में सभी लोग डीजे पर नाच रहे थे। छठवीं में पढ़ने वाला अजय भी अपने मामा पवन के पास जाकर डांस करने लगा। इसी दौरान पवन ने देसी कट्टा निकाल लिया और लहराते हुए डांस करने लगा। तभी गोली चल गई और सीधे अजय की खोपड़ी में जा लगी।

गर्मी की छुट्टियों में आया था मामा के घर

अजय के माता-पिता गुजरात में मजदूरी करते हैं। उसका एक बड़ा भाई है। अजय अपने दादा-दादा के पास रहता था। गर्मी की छुट्टियों में मामा घर आया था। रविवार रात को वह मामा के साथ खारी से डीजे वालों के साथ शादी में आया था। उसका शव फिलहाल जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्ट्म के लिए रखा गया है।

जर्मनी पोषित ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर परियोजनाओं में एमपी ट्रांसको के कार्य उच्चस्तरीय

केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक अधिकारियों द्वारा 400 केवी सब स्टेशन मंदसौर का निरीक्षण

भोपाल (नप्र)। जर्मनी के के.एफ.डब्ल्यू. डेवलपमेंट बैंक के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री कार्यालय की मॉनिटरिंग में पूरी की गई उन परियोजनाओं का निरीक्षण किया, जिन्हें ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-1 योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा निर्धारित लक्ष्य से पूर्व सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया था।

जर्मनी से आए बैंक के तकनीकी अधिकारी श्री वाल्टर क्लोट्ज ने इस परियोजना के अंतर्गत निर्मित मंदसौर 400 केवी सबस्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने एमपी ट्रांसको द्वारा कराए गए कार्यों की उच्च गुणवत्ता और उत्कृष्ट तकनीकी तरीकों की सराहना की।

अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्य- जर्मन प्रतिनिधि श्री वाल्टर क्लोट्ज ने निरीक्षण के दौरान कहा कि ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के अंतर्गत के.एफ.डब्ल्यू. डेवलपमेंट बैंक द्वारा वित्त पोषित कार्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किए गए हैं और अब इनका संचालन एवं संधारण एमपी ट्रांसको की कुशल टीम द्वारा प्रभावी रूप से किया जा रहा है।

सब स्टेशन का सूक्ष्म निरीक्षण- श्री क्लोट्ज ने सब स्टेशन के रखरखाव, स्काडा सिस्टम के माध्यम से डेटा मॉनिटरिंग, जैसे कार्यों का सूक्ष्म निरीक्षण कर उन्हें अत्यंत उत्कृष्ट बताया। उन्होंने स्वयं भी परिसर में वृक्षारोपण किया।

निरीक्षण के दौरान के.एफ.डब्ल्यू. बैंक के भारतीय प्रतिनिधि श्री रमन रेड्डी, एमपी ट्रांसको के श्री वाय.आर. मांडलेकर, श्री मनीष महावर, श्री पंकज कुमार राय एवं श्री राजेश भूरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पेरासिटामोल ड्रॉप और मल्टी विटामिन सहित 6 दवाएं अमानक

मप्र में एक बार फिर से दवाओं को अमानक पाया गया है

मप्र पब्लिक हेल्थ सप्लाई कॉरपोरेशन ने उपयोग रोकने के लिए सभी जिलों को दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। मेडिकल कॉलेज से लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र तक प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रोगियों की दी जाने वाली छह दवाएं इस वर्ष गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाई गई हैं। इनमें बच्चों के लिए उपयोग होने वाला पैरासिटामाल ड्राप, विटामिन-सी, मल्टीविटामिन आदि दवाएं शामिल हैं। पहले आईवी फ्लूड भी अमानक मिला था।

बड़ी बात यह है कि इन दवाओं की आपूर्ति के साथ कंपनियां अपनी लैब के साथ ही राज्य सरकार द्वारा चिह्नित थर्ड पार्टी लैब से भी सभी दवाओं के प्रत्येक बैच के सैंपल की गुणवत्तायुक्त जांच रिपोर्ट भेजती हैं।

इस जांच रिपोर्ट के आधार पर ओपीडी व भर्ती रोगियों के लिए दवाओं का उपयोग भी प्रारंभ किया जाता है।

बाद में जब औचक तौर पर सीएमएचओ या सिविल सर्जन के स्टोर से दवाओं के सैंपल जांच के लिए

अस्पतालों से विभिन्न लैब में भेजे गए सैंपलों की जांच में ये दवाएं गुणवत्ता परीक्षण में फेल हुई हैं। मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सप्लाई कारपोरेशन ने इन दवाओं के उपयोग पर रोक लगाने के साथ ही संबंधित कंपनियों को भी निर्धारित अवधि तक आपूर्ति के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। मई में तीन दवाएं अमानक पाई गई हैं।

इनमें मिर्गी के उपचार में उपयोग होने वाली टैबलेट लैवेसेटम 500 एमजी, विटामिन- सी और मल्टीविटामिन की टैबलेट हैं। इसके भोपाल स्थित राज्य औषधि प्रयोगशाला या केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं में भेजे जाते हैं तो अमानक मिल जाते हैं।

यानी वही दवा निजी लैबों में मानक और शासकीय लैबों में अमानक मिलती है। दवाएं अमानक होने की होने की एक वजह उनका परिवहन व रखरखाव भी है।

दवाओं को कक्ष के सामान्य तापमान पर रखा जाता है, पर कई स्टोर इस तरह से बने हैं कि वहां तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है।

हाथियों ने कुचलकर तीन लोगों को मार डाला

शहडोल में तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीणों पर हमला ; एक की पत्नी ने पेड़ पर चढ़कर बचाई जान

शहडोल (नप्र)। शहडोल में जंगली हाथियों ने 3 लोगों को कुचलकर मार डाला। इनमें से एक को तो उसकी पत्नी के सामने ही रौंद दिया। पत्नी ने किसी तरह पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाई। पहली मौत की जानकारी के बाद वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची ही थी, तभी दूसरी मौत की जानकारी लगी।

दूसरी घटना पहले घटनास्थल से लगभग 1 किलोमीटर दूर है।, अब हाथी के कुचलने से तीसरी मौत की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की चिंता बढ़ गई है। यह घटना पहले और दूसरे घटना स्थल से करीब 13 किलोमीटर दूर है।

सोमवार को जिले के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के सनौसी और डोडा के जंगल में

ग्रामीण तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे, तभी हाथियों ने उन पर हमला कर दिया। वन विभाग के एसडीओ रेशम सिंह धुर्वे ने बताया कि मोहनलाल पटेल (80) तेंदू पत्ता तोड़ने गया था, तभी हाथियों ने उसे कुचलकर मार डाला। घटना के बाद से ही ग्रामीण काफी नाराज हैं। कुछ ग्रामीणों को डर है कि यह जंगली हाथी उन्हें और भी नुकसान ना पहुंचाएं।

पत्नी के सामने पति को कुचला- सनौसी गांव के रहने वाले उमेश कोल अपनी पत्नी के साथ जंगल तेंदू पत्ता तोड़ रहे थे। तभी बांधवगढ़ की ओर से दो जंगली हाथी यहां पहुंचे। हाथियों को देखकर उमेश की पत्नी ने दौड़ लगा दी, वह एक पेड़ पर चढ़ गई। लेकिन, उमेश हाथियों के सामने आ गया। हाथियों ने उमेश को उसकी पत्नी के सामने ही कुचलकर मार डाला।

पेड़ में चढ़ी पत्नी ने चिल्लाकर आसपास मौजूद लोगों से मदद की गुहार लगाई। लोग महिला की आवाज सुनकर वहां पहुंचे तब तक देर हो चुकी थी। उमेश की मौत पर ही मौत हो गई। इधर, हाथी संजय गांधी टाइगर रिजर्व की ओर बढ़ गए।

डोडा के जंगल में महिला की ली जान

सनौसी से करीब एक किलोमीटर दूर डोडा जंगल में भी हाथियों ने एक महिला को कुचल दिया। जिससे उसकी जान चली गई। महिला का नाम देवगनिया बैगा (उम्र 45 वर्ष) पति एतु था। वह भी जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ रही थी। तभी हाथी महिला के सामने पहुंच गए। वह चीखती रही, लेकिन हाथियों ने उसे कुचल दिया है।

जंगल में घूम रहा जंगली हाथियों का दल

एक किलोमीटर के दायरे में हुई दोनों ही घटनाओं की जानकारी लगते ही पुलिस-प्रशासन और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बता दें कि ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के जंगलों में दो दर्जन से अधिक जंगली हाथियों का झुंड पिछले कई महीनों से घूम रहा है। जिनकी निगरानी के लिए वन विभाग ने तीन टीमों का गठन किया है।